राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 58 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 03 जनवरी 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दुनिया में सबसे पहले यहां आया 2026, भारत से 9 घंटे पहले ही 2 देशों में शुरू हो गया जश्न

नई दिल्ली। जब दुनिया के तमाम देश अभी घड़ी की सुइयों के 12 पर पहुंचने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, प्रशांत महासागर के बीच बसे सुदूर द्वीपों में नए साल 2026 का आगाज हो चुका है। भारत से करीब 9 घंटे पहले ही यहां नए साल ने दस्तक दे दी है। दुनिया में सबसे पहले नए साल का स्वागत किरिबाती के छोटे से द्वीप किरीतिमाती में किया गया, जहां आधी रात होते ही जश्न का दौर शुरू हो गया। किरिबाती प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है, जो हवाई के दक्षिण और ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में बसा है। करीब 4,000 किलोमीटर के दायरे में फैला यह देश 33 छोटे-बड़े कोरल द्वीपों (एटोल्स) का समूह है। साल 1979 में ब्रिटेन से आजाद हुए इस देश की आबादी करीब 1.16 लाख है। भौगोलिक रूप से हवाई के करीब होने के बावजूद यहां नया साल एक पूरा दिन पहले मनाया जाता है। इसकी मुख्य वजह 1994 में किया गया टाइम जोन का बदलाव था, जिसे इसलिए लागू किया गया था।

लोक संपर्क विभाग के फोटो सिनेमा अधिकारी अरविंदर सिंह सेवानिवृत्त हुए

चंडीगढ़। पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा आज फोटो सिनेमा अधिकारी अरविंदर सिंह को उनकी सेवानिवृत्ति पर भावपूर्ण विदाई दी गई, जो अपने तीन दशकों से अधिक के शानदार सेवा काल के बाद आज सेवानिवृत्त हुए हैं। विभाग के साथ अरविंदर सिंह का सफर 9 अगस्त, 1993 को शुरू हुआ था, जब वे जूनियर फोटोग्राफर के रूप में भर्ती हुए थे। इतने वर्षों के समर्पण, तकनीकी विशेषज्ञता और फोटोग्राफी के प्रति जुनून ने उन्हें कई बड़ी और प्रमुख भूमिकाएँ निभाने के लिए प्रेरित किया। इसी के साथ उन्हें अपने हुनर और कड़ी मेहनत के बल पर वर्ष 2001 में सीनियर फोटोग्राफर के रूप में पदोन्नति मिली थी। हाल ही में उन्हें फोटो सिनेमा अधिकारी के रूप में भी तरक्की मिली। अपने कार्यकाल के दौरान श्री अरविंदर सिंह ने कई बड़े और महत्वपूर्ण सरकारी समागमों के साथ-साथ सांस्कृतिक और कई अन्य समागमों में ड्यूटी करते हुए शानदार भूमिका निभाई।

नए साल पर पाकिस्तान की नापाक हरकत, भारतीय सीमा में देखा गया ड्रोन

नई दिल्ली। दुनिया नए साल का जश्न मना रही है, वहीं पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। ड्रोन की सूचना मिलते ही भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी ड्रोन लाइन ऑफ कंट्रोल के पास पुंछ के खाड़ी करमाड़ा इलाके से भारतीय सीमा में दाखिल हुआ था।

इंदौर में नलों से टपका जहर

उजड़ गए हंसते-खेलते परिवार-15 मौतों का जिम्मेदार कौन ?

इंदौर/ एजेंसी

भागीरथपुरा में सप्लाई हुए जहरीले पानी से अब तक 15 जानें जा चुकी हैं। शुक्रवार सुबह ही एमवायएच में भर्ती 68 वर्षीय गीताबाई की मौत हो गई। सबसे ज्यादा प्रभावित बस्ती की पान वाली गली में हैं। यहां 20 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती रहे हैं। घटना के बाद विभाग ने पानी के सैंपल लिए थे उनकी जांच रिपोर्ट भी सामने आ गई है। रिपोर्ट के अनुसार पानी पीने योग्य नहीं था। पानी में खतरनाक बैक्टीरिया पाए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद अब हैजा फैलने का डर भी सताने लगा है। जहरीले पानी की इस त्रासदी के शिकार पीड़ित अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें संजय यादव भी शामिल हैं। उनकी मां की मौत जहरीले पानी से हो गई और उनका बेटा भी अस्पताल में भर्ती है। संजय और उनकी पत्नी को भी उल्टी-दस्त की शिकायत थी। उन्हें भी अस्पताल में भर्ती किया गया है। संजय ने बताया कि मेरी मां ने मेरे सामने आंखें मूंद ली, अब मुझे मेरे बेटे की चिंता है। उसे दस बोतल स्लाइन चढ़ाई गई। संजय ने कहा कि मेरी मां को जहरीले पानी ने छीन लिया, लेकिन मेरे बेटे को सरकार बचा ले। इस परिवार ने ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से चेक लेने से इनकार कर दिया था। जहरीले पानी ने पांच माह के बच्चे अव्यान साहू को भी उसके परिवार से छीन लिया। परिवार में एक बेटी है। दस साल बाद अव्यान हुआ था। 8 जुलाई को उसका जन्म हुआ। परिवार में बरसों बाद खुशियां आई थीं। बच्चे की मौत के बाद मां बात करने की स्थिति में नहीं है। अव्यान के पिता सुनील ने बताया कि

डिलीवरी के बाद पत्नी को दूध ठीक से नहीं आ रहा था। इस कारण अव्यान को ऊपर का दूध पिलाना शुरू किया। पैकेट वाला दूध नवजात के लिए ज्यादा गाढ़ा होता है। आसानी से वह पच सके, इस कारण उसमें हम पानी मिलाते थे। हमें क्या पता था कि वो जहरीला पानी हमसे बेटे को छीन लेगा। अव्यान को पहले दस्त हुए तो उसे एक क्लीनिक ले गए। दवा से आराम नहीं मिला। इस बीच उसे तेज बुखार आ गया। अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जहरीले पानी से मंजुला वाड़े की मौत हो गई। मंजुला की चार बेटियां हैं। अपने ससुराल से आई बेटी के लिए मंजुला ने रात को खाना बनाया था। वह अपने घर लौट गई। रात को मंजुला को उल्टियां होने लगीं। पति ने बताया कि उसे अस्पताल ले गए, लेकिन कुछ देर बाद ही डॉक्टरों ने कहा है कि उसकी मौत हो गई है। जो पानी भागीरथपुरा के घरों में पहुंचा। उसमें हानिकारक बैक्टीरिया था। इसका खुलासा मेडिकल कॉलेज की प्रारंभिक रिपोर्ट में हुआ है। यह पानी पीने योग्य नहीं था, लेकिन बीते एक माह से सप्लाई हो रहा था। उसे पीकर लोग बीमार हुए और 14 लोग अब तक इस मामले में जान गंवा चुके हैं। अभी भी पानी में बैक्टीरिया है या नहीं, इसके लिए लगातार 80 से 100 सैंपल नगर निगम बस्ती से जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। आशंका है कि मरीजों को हैजा भी हो सकता है।

राज्य की सरकार पर बीजेपी नेता उमा भारती का वार; कहा- जिंदगी की कीमत 2 लाख

इंदौर जो अपनी स्वच्छता के लिए देश भर में पहचाना जाता है, आज आंसुओं और मातम में डूबा है। भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से हुई 15 मौतों ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस त्रासदी पर राजनीति गरमा गई है और भाजपा की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती ने अपनी ही सरकार के सिस्टम पर तीखे सवाल दागे हैं। उन्होंने इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि जब अधिकारी आपकी सुन नहीं रहे थे, तो आप पद पर बैठकर बिसलेरी पानी क्यों पीते रहे, आपने इस्तीफा देकर जनता के बीच जाना बेहतर क्यों नहीं समझा। यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता का भी बन गया है।

ठंड को लेकर सीएम योगी का बड़ा आदेश

12वीं तक के सभी स्कूल पांच जनवरी तक बंद रहेंगे

लखनऊ। प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 12वीं तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों को पांच जनवरी तक बंद करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। प्रदेश में इस समय अधिकतर जिले शीतलहर की चपेट में हैं। इसे देखते हुए पूर्व में सोमवार से बृहस्पतिवार तक 12वीं तक के विद्यालयों में छुट्टी की गई थी। शुक्रवार को माध्यमिक विद्यालय खुले थे। वहीं आज भी काफी तेज ठंडी हवाएं चल रहीं थीं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी बोर्डों आईसीएसई, सीबीएसई और यूपी बोर्ड के कक्षा

12वीं तक के स्कूलों को पांच जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। इस क्रम में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने माध्यमिक विद्यालयों व बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने कक्षा एक से आठ तक के सभी बोर्ड के विद्यालयों में पांच जनवरी तक छुट्टी के लिए निर्देश जारी किए हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में नए साल 2026 के पहले दिन बाटी चोखा लंच के मौके पर समर्थकों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया।

वित्त मंत्री की चल रही है बड़ी तैयारी

रविवार को पेश होगा देश का आम बजट ?

नई दिल्ली। केंद्रीय बजट 2026 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद है, जो रविवार को पड़ रहा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। हालांकि संसद के बजट सत्र की तारीखें अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं हुई हैं, फिर भी सरकार द्वारा कार्यक्रम में बदलाव की संभावना कम है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश करेंगी, जो स्वतंत्रता के बाद का 80वां बजट भी होगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक बजट तैयारियों में तेज़ी से प्रगति हो रही है और 1 फरवरी को इसे पेश किया जाएगा। परंपरा के अनुसार, केंद्रीय बजट हर साल 1 फरवरी को

पेश किया जाता है ताकि वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही संसदीय समीक्षा और कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त समय मिल सके। सप्ताहांत पर बजट पेश करना कोई नई बात नहीं होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025 का बजट शनिवार को पेश किया था।

इंदौर जलकांड पर बिफरे कांग्रेस नेता

घर-घर मातम है ऊपर से बीजेपी नेताओं के अहंकारी बयान-राहुल

नईदिल्ली/ एजेंसी

इंदौर में जहरीले पानी से होने वाली मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तक 15 लोगों की जान जा चुकी है और कई लोग अस्पतालों में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। इस गंभीर स्वास्थ्य संकट ने अब सियासी रंग भी ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- इंदौर में पानी नहीं, ज़हर बंटा और प्रशासन गहरी नींद में था। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं और ऊपर से बीजेपी नेताओं के

अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी, लेकिन सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? सीवर पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई क्यों नहीं रोकी गई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? उन्होंने आगे लिखा- ये 'फोकट' सवाल नहीं हैं, ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है। और इस अधिकार की हत्या के लिए बीजेपीका डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का केंद्र बन चुका है, कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। बता दें कि जहरीला पानी पीने से अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

सेना के कैंप में लगी भीषण आग, स्टोर जलकर राख; 100 से ज्यादा जवान थे मौजूद

नई दिल्ली। उत्तराखंड के जोशीमठ में शुक्रवार दोपहर भारतीय सेना के कैंप में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे कैंप के कई स्टोर पूरी तरह जलकर राख हो गए। राहत की बात यह रही कि घटना के समय कैंप में मौजूद 100 से अधिक जवान मौजूद थे। सभी पूरी तरह सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आग दोपहर करीब 2 बजे कैंप के स्टोर एरिया में लगी। शुरुआती तौर पर आग एक छोटे स्पार्क से शुरू हुई, लेकिन देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। स्टोरों में रखे उपकरण, सामग्री और जरूरी सामान आग की चपेट में आ गए, जिससे भारी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही सेना ने स्थानीय दमकल विभाग को सूचित किया।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में

भूपेश के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से मिली गई जमानत

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को बड़ी राहत मिली है। उन्हें हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। उच्च न्यायालय बिलासपुर के जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच ने यह निर्णय सुनाया है। फिलहाल, उन्हें ईओडब्ल्यू और ईडी मामले में जमानत मिली है। अन्य मामलों में जांच जारी है। ईओडब्ल्यू और एसीबी ने दावा करते हुए बताया कि करीब 3,800 पन्नों चार्जशीट में चैतन्य बघेल को तीन हजार करोड़ रुपये

से ज्यादा के कथित घोटाले में आरोपी बनाया गया है। इस मामले में अब तक कुल आठ चार्जशीट पेश किये जा चुके हैं। नई चार्जशीट में पहले से गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जांच की मौजूदा स्थिति रिपोर्ट दिया गया है। वहीं हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से डिजिटल साक्ष्य रिपोर्ट भी शामिल हैं। यह दस्तावेज आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ चल रही जांच की प्रगति की भी रूपरेखा बताता है। चार्जशीट का हवाला देते हुए बताया गया है कि चैतन्य बघेल ने अनिल टुटेजा, सौम्या चौरसिया, अरुणपति त्रिपाठी और निरंजन दास जैसे अधिकारियों के बीच समन्वयक के रूप में काम किया, जो प्रशासनिक स्तर पर सिंडिकेट के हितों के अनुसार काम करते थे और नेटवर्क के जमीनी स्तर के संचालकों जैसे अनवर ढेबर, अरविंद सिंह और विकास अग्रवाल (सभी सह-आरोपी) को निर्देश जारी करते थे।

भारत के लिए ऐतिहासिक साल होगा 2026

चार प्लांट्स में शुरू होगा कमर्शियल चिप प्रोडक्शन-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के लिए वर्ष 2026 तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने जा रहा है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को घोषणा की कि देश में चार सेमीकंडक्टर प्लांट्स इस साल अपना कमर्शियल प्रोडक्शन (व्यावसायिक उत्पादन) शुरू कर देंगे। यह कदम महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की एक बड़ी छलांग है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, माइक्रोन, सीजी पावर, कायन्स टेक्नोलॉजी और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स 2026 में चिप का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हैं। उत्पादन की समयसीमा को स्पष्ट करते हुए मंत्री ने बताया कि सीजी पावर और कायन्स टेक्नोलॉजी, जिन्होंने पिछले साल ही पायलट प्रोडक्शन शुरू कर दिया था, सबसे पहले कमर्शियल ऑपरेशन्स में ट्रांज़िशन करेंगी। इसके अलावा, अमेरिकी कंपनी माइक्रोन की फैसिलिटी में भी हाल ही में पायलट प्रोडक्शन शुरू हो चुका है और वह भी जल्द ही व्यावसायिक उत्पादन की ओर बढ़ेगी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के असम प्लांट को लेकर उन्होंने जानकारी दी कि वहां 2026 के मध्य तक पायलट प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है और साल के अंत तक इसे कमर्शियल मैन्युफैक्चरिंग में बदल दिया जाएगा। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून 2023 में साणंद में पहली सेमीकंडक्टर यूनिट को मंजूरी मिलने के बाद से अब तक कुल 10 सेमीकंडक्टर निर्माण परियोजनाओं को हरी झंडी दी जा चुकी है। इन परियोजनाओं के तहत

गुजरात, असम, उत्तर प्रदेश, पंजाब, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी निवेश किया जा रहा है। वैष्णव ने यह भी रेखांकित किया कि भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम में ताइवान, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे प्रमुख सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों की रुचि अत्यधिक और विशाल बनी हुई है। डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव 2.0 योजना के पुनर्गठन पर बात करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि करदाताओं के पैसे का उपयोग दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करने के लिए किया जाना चाहिए। नई व्यवस्था के तहत सरकार शुरुआती डिजाइन चरणों का पूरा समर्थन करेगी। आगे की फंडिंग वेंचर कैपिटल निवेश के अनुपात में होगी, जो वैश्विक स्तर पर अपनाया जाने वाला मॉडल है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल सरकारी फंड लेकर प्रोजेक्ट बंद न हो जाएं, बल्कि बाजार की मांग के आधार पर आगे बढ़ें। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की डिजाइन क्षमताएं काफी मजबूत हुई हैं। अब कंपनियां उन्नत 2-नैनोमीटर (2एनएम) चिप डिजाइन पर काम कर रही हैं, जो पहले 5-7 नैनोमीटर तक सीमित थीं। सेमीकंडक्टर आधुनिक तकनीक की रीढ़ हैं, जो स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, संचार, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे आवश्यक क्षेत्रों को शक्ति प्रदान करते हैं। डिजिटलीकरण और ऑटोमेशन की ओर बढ़ती दुनिया में, भारत में चिप निर्माण की शुरुआत न केवल आर्थिक सुरक्षा बल्कि रणनीतिक स्वतंत्रता के लिए भी निर्णायक साबित होगी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में बड़ी सफलता, पालघर में 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का काम पूरा

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना तेजी से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। पालघर जिले में विरार और बोइसर के बीच 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग की खुदाई का काम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली से ऑनलाइन इस ऐतिहासिक क्षण का अवलोकन किया और इसे परियोजना की एक बड़ी उपलब्धि बताया। रेल मंत्रालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, विरार और बोइसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच निर्मित यह 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शुमार है। इसे परियोजना में 'माउंटेन टनल-5' के नाम से जाना जाता है। महाराष्ट्र में यह दूसरी ऐसी सुरंग है जिसकी खुदाई का कार्य पूरी तरह पूर्ण हो चुका है। इससे पहले, सितंबर 2025 में ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच 5 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग का निर्माण कार्य पूरा किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

अवैध धान भंडारण पर प्रशासन ने की राइस मिल में कार्यवाही, हजारों बोरियों में भरे धान जब्त

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) – कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई सतत जारी है। इसी क्रम में एसडीएम सरायपाली अनुपमा आनंद के नेतृत्व में तहसील सरायपाली अंतर्गत अवैध धान भंडारण के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम शामिल रही। संयुक्त टीम द्वारा समलेश्वरी इंडस्ट्रीज एवं हिंदुस्तान एग्रोटेक का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भंडारण स्थल पर उपलब्ध धान की मात्रा एवं संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें भंडारण में भारी कमी पाई गई। साथ ही मंडी अधिनियम एवं निर्धारित नियमों का उल्लंघन भी सामने आया। अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा मौके पर ही कुल 27,200 बोरे धान जब्त किए गए। जब्ती की यह कार्रवाई मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत की गई। जब्त धान को नियमानुसार सुरक्षित अभिरक्षा में रखते हुए आगे की वैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि जिले में अवैध धान भंडारण, परिवहन एवं व्यापार पर सतत निगरानी जारी रहेगी, नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत पर नाली से अवैध निर्माण को हटाया गया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत अवैध कब्जा एवं निर्माण को हटाने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा आदेश जारी किया गया है। आदेश के तारतम्य में सभी जोन क्षेत्र में अवैध कब्जा एवं निर्माण को हटाने की कार्यवाही निगम द्वारा लगातार की जा रही है। कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत के आधार पर हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी के सामने मुख्य मार्ग में नाली के उपर किये ढलाई तथा ईंट व पत्थर डाल कर नाली को जाम किया गया था, जिसके कारण नाली की सफाई करने में समस्या आ रही थी। निगम आयुक्त के निर्देशानुसार एवं प्राप्त शिकायत के आधार पर जोन-2 एवं 3 के राजस्व टीम द्वारा अवैध ढलाई को जेसीबी के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, बसंत देवांगन, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, जोन स्वास्थ अधिकारी शंकर साहनी स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह अनिल शुक्ला, कृष्ण कुमार सुपैत, मदनमोहन तिवारी,समीर अहमद, कार्तिक सहित स्वास्थ्य एवं राजस्व टीम उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग ने मध्य प्रदेश की अवैध मदिरा के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

दुर्ग। आबकारी आयुक्त आर. संगीता के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह के दिशा-निर्देशानुसार व सहायक आयुक्त आबकारी सी.आर. साहू के मार्गदर्शन में 31 दिसम्बर 2025 को गस्त के दौरान आबकारी विभाग जिला दुर्ग वृत-भिलाई क्रमांक-02 के द्वारा अवैध शराब के परिवहन की सूचना मिलने पर त्वरित विधिवत कार्यवाही कर आरोपी गीतेश कुमार देशलहरे स्थान यादव मोहल्ला बोरसी भाटा के कब्जे से मध्य प्रदेश राज्य में विक्रय हेतु अधिकृत 12 नग प्लास्टिक बोतल बॉम्बे स्पेशल व्हिस्की (750 एमएल) एवं आरोपी एवं एवन निषाद, पिता त्रिभुवन निषाद उम्र 27 वर्ष ग्राम ननकट्टी के कब्जे से 50 नग पाव देशी मदिरा शोले मसाला कुल मात्रा 18 बल्क लीटर जिसका बाजार मूल्य 10760 रूपये है तथा एक हीरो होंडा स्प्लेन्डर वाहन क्रमांक सीजी 04 0976 जिसका बाजार मूल्य लगभग 30,000 रूपये, कुल कीमत लगभग 40760 रूपये जप्त किया गया।

रजत जयंती वर्ष अंतर्गत 02 जनवरी 2026 से 09 जनवरी 2026 तक चावल उत्सव एवं उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा

खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

महासमुन्द (समय दर्शन)। संचालनालय, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा जारी निर्देशानुसार खाद्य विभाग के लिए रजत जयंती वर्ष 2025-26 का 02 जनवरी से लेकर 09 जनवरी 2026 तक की अवधि में उपभोक्ता जागरूकता एवं चावल उत्सव का आयोजन किये जाने का निर्देश दिया गया है। शासन के निर्देश के परिपालन में अपर कलेक्टर रवि साहू की अध्यक्षता में रजत जयंती के आयोजन के संबंध में खाद्य विभाग, उपभोक्ता विवाद एवं प्रतितोष आयोग, नाप तौल विभाग, जिला सह. केन्द्रीय बैंक, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम, पेट्रोल पंप संचालक, गैस वितरक संचालक का बैठक आयोजित किया गया। बैठक में श्री साहू द्वारा शासन की मंशा अनुरूप जिले के प्रत्येक उचित मूल्य की दुकानों में 02 जनवरी 2026 से 09 जनवरी 2026 तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं निगरानी समिति के सदस्यों, दुकान संचालक एवं हितग्राहियों की उपस्थिति में रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन करने तथा उपभोक्ताओं के अधिकारों के साथ-साथ उपभोक्ता विवादों के निराकरण की विद्यमान कार्यप्रणाली की जानकारी आम नागरिकों को उपलब्ध कराये जाने हेतु उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करने हेतु सर्व सम्बधित विभागों को निर्देश दिया गया। बैठक में अजय कुमार यादव, खाद्य अधिकारी द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में रिकार्ड वृद्धि, खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का विस्तार, नवीन उचित मूल्य की दुकानों का आबंटन, राशनकार्ड अंतर्गत हितग्राहियों की राशन सामग्री की उपब्लधता, पीडीएस प्रणाली के डिजिटल बदलाव एवं वन नेशन वन राशनकार्ड अंतर्गत पोर्टिबिलिटी सुविधा आदि खाद्य विभाग की योजनाओं की विगत 25 वर्षो की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया। इसी प्रकार जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, महासमुंद के सदस्य श्री गिरीश श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि आम उपभोक्ताओं को अपने उपभोक्ता अधिकार की रक्षा हेतु किसी भी प्रकार की ठगी होनें अथवा शिकायत के संबंध में ई-जागृति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन सम्बधित जिले के जिला उपभोक्ता विवाद एवं प्रतितोष आयोग में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नापतौल विभाग महासमुंद के अधिकारी श्री सिद्धार्थ दुबे द्वारा बताया गया कि उपभोक्ताओं को सही वजन की वस्तुएं प्राप्त हो इस हेतु उपभोक्ताओं को यह अधिकार है कि जो मूल्य देकर सामान खरीद रहा है वह वस्तु सही वजन का उसे प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं इसके लिए उपभोक्ता को यह अधिकार है कि वह किराना दुकान से प्राप्त समान, पेट्रोल पंप से प्राप्त पेट्रोल/डीजल, गैस एजेंसी से प्राप्त गैस सिलेण्डर आदि एवं अन्य संस्थानों से प्राप्त सामग्री के वजन ज्ञात करने हेतु संस्था/दुकान में रखी वेईंग मशीन सील सत्यापित है अथवा नहीं उसकी जानकारी दुकान संचालक से पुछताछ कर सकता है तथा दुकान संचालक को वेईंग मशीन का नापतौल विभाग से सत्यापित प्रमाण पत्र उपभोक्ता द्वारा मांगे जाने पर दिखाना अनिवार्य है, इससे आम उपभोक्ता वेईंग मशीन में गड़बड़ी की संभावना को जान सकता है। यदि उपभोक्ताओं को सही वजन का सामान नहीं मिल रहा है अथवा दुकानदार द्वारा वजन में फ्राड किया जा रहा है तो वह जिला उपभोक्ता आयोग में अथवा राज्य स्तर पर एवं नेशनल स्तर पर नेशनल कन्ज्यूमर हेल्पलाईन टोल-फ्री नंबर 1800-114000 पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

अपने ही अवर सचिव के आदेश को पूरा नहीं किया जिला प्रशासन

19 स्कूल के अध्यापक और छात्रों का बड़ा अहित

बिलासपु (समय दर्श न)। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन अपंजीकृत में अवर सचिव का आदेश की 30 दिन में नए चुनाव निर्वाचन अधिकारी करायें का पालन नहीं हो सका। साथ ही 19 स्कूलों पर वेतन का संकट और गहरा गया। अवर सचिव के पूरे आदेश और उसे प्रभाव शून्य करने के लिए जो तरीका रायपुर प्रशासन ने अपनाया उससे न्यूयॉर्क टाइम की रिपोर्ट सच साबित हुई है। विस्तार से समझते हैं सीडीबीई पंजीकृत के इस विवाद को, वैधानिक और अवैज्ञानिक समिति के बीच विवाद चल रहा था मामला पीआईएल के माध्यम से उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ भी गया। पीआईएल निराकरण के बाद रजिस्टर की जांच में सीडीबीई ने आर्थिक अनियमितता रुपए दो करोड़ से अधिक का मामला बाहर आया। अवैधानिक समिति सदस्यों ने कोविड काल का वेतन नहीं दिया साथ ही शिक्षकों का पीएफ रुपए लगभग 90 लाख भी नहीं पटाया। इस बीच में रजिस्टर ने समितियां के झगड़े में वैधानिक समिति शशि वाघे को वैध माना और उन्हें चुनाव करने कहा और अवैधानिक घोषित हुई। समिति के सदस्य अपील में और अवर सचिव ने 1 दिसंबर 2025 को आदेश दिया कि 30 दिन के भीतर जिला कलेक्टर रायपुर द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारी चुनाव करायेंगे।

यहीं से मामला पटरी से उतरा चुनाव कैसे कराया जाए के लिए आवश्यक बैठक एसडीएम रायपुर में 27 दिसंबर तारीख रखी सीधा अर्थ था चुनाव कराने के स्थान पर गुप्त एजेंडा लागू करना जो कि सामने आया सालेम की निलंबित प्राचार्य को जॉइनिंग कराई जाए बैठक में सालेम के पूर्व छात्र भी थे सब ने और वैधानिक घोषित समिति के सदस्यों ने एसडीएम को बताया कि उन्हें चुनाव कराने कहा गया है किसी को ज्वाइन करने को नहीं। एसडीएम ने वेतन देयको पर भी हस्ताक्षर नहीं किया जबकि परंपरा अनुसार सीडीबीई के 19 स्कूलों में क्रिसमस पूर्व वेतन देने की परंपरा रही है 30 दिसंबर तक चुनाव अधिसूचना भी जारी नहीं हुई है।

अब स्थिति यह है कि अवर सचिव का आदेश विधि शून्य हो गया और इसकी अपील या रिवीजन केवल सीएस के समक्ष ही हो सकता है या पूरा मामला रेट के माध्यम से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय आएगा, पर स्कूलों का सामान्य प्रशासन सैकड़ो छात्र-छात्राओं का भविष्य, पढ़ाई, परीक्षा, प्रैक्टिकल सब पर संकट है। स्कूल वर्तमान में कौन चलाएगा इसलिए हम न्यूयॉर्क टाइम की रिपोर्ट का जिक्र कर रहे हैं कि वह सत्य है। पूरा प्रशासन बेहद सुनियोजित तरीके से सेवा चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में मसीह समाज को बेदखल कर रहे हैं और अप्रत्यक्ष रूप से आरएसएस के अघोषित चेहरे को व्यवस्था में बैठने के लिए पुरजोर दबाव डालता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था में बढ़ोतरी के लिए कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने किया स्वास्थ्य विभाग का समीक्षा

जिला हॉस्पिटल और सीएमएचओ कार्यालय के निर्माण को समय सीमा में मानक स्तर के साथ पूर्ण करने के निर्देश

गर्भवतियों का पंजीयन कर हाईरिस्क प्रेग्नेंसी की नियमित जांच करने के निर्देश

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन)कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का जिले की स्थिति का समीक्षा करते हुए जिले के सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिए कि, हर 3 माह में जिले के तीन माह के समस्त गर्भवती महिलाओं का 100 प्रतिशत पंजीयन करने के निर्देश दिए, जिससे गर्भवती माता का टीकाकरण और चेकअप समय में हो सके तथा उच्च जोखिम गर्भवस्था का त्वरित पहचान हो सके और त्वरित पहचान होने पर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी की जाएगी जिससे मातृत्व मृत्युदर व शिशु मृत्युदर में कमी आएगी। इससे शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव होंगे और बच्चे स्वस्थ जन्म लेंगे। उच्च जोखिम गर्भावस्था

उच्च जोखिम गर्भावस्था उपचार- गर्भधारण को उच्च जोखिम के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब मां, विकासशील भ्रूण या दोनों को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान या बाद में जटिलताओं के विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। माँ से संबंधित, भ्रूण से संबंधित या गर्भावस्था से संबंधित हो सकते हैं। माँ की अधिक या छोटी उम्र, शरीर में पहले से मौजूद अतिरक्तदाब, मधुमेह या दिल की बीमारी, भ्रूण मृत्यु (आईयूएफडी) या मृत जन्म, जन्मजात दोष, एकाधिक गर्भधारण, भ्रूण-विकास प्रतिबंध, उच्च रक्त चाप,समय से पहले या बाद में जन्म, असामान्य नाल , कोविड 19, एचआईवी एड्स, गुर्दे की बीमारी, शरीर का कम वजन, मानसिक स्वास्थ्य अवसाद, मोटापा, गलग्रंथि की बीमारी, रक्त के थक्के विकार, स्वप्रतिरक्षी रोग आदि उच्च जोखिम वाली गर्भधारण के कारण में शामिल है। कलेक्टर ने सीजीएमएससी के इंजीनियरों को जिला हॉस्पिटल और सीएमएचओ कार्यालय के निर्माण को समय सीमा में मानक स्तर के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में चिरायु टीम के कार्यों की निरन्तर कार्य करने के निर्देश दिए। चिरायु टीम के प्रभारी डॉक्टर ने कलेक्टर को जानकारी दी कि चिरायु कार्यक्रम में सभी प्रकार के बीमारी का इलाज करते हैं।

जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और चिन्हित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक माह के 9 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, हर महीने की गर्भवती महिलाओं को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त में प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं का न्यूनतम पैकेज प्रदान किया जाता है, जिसमें जांच और दवाएं शामिल हैं। बैठक में जिले की सामान्य जानकारी दी गई, जिसमें अस्पतालों की संख्या, भवन विहीन अस्पताल, कर्मचारियों के रिक्त, सेटअप स्वीकृति और कार्यरत शामिल थे। कलेक्टर को डॉक्टरों ने परिवार नियोजन के लिए दक्ष्य दंपत्ति, मातृ मृत्युदर, संस्थागत प्रसव, हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की रजिस्ट्रेशन, गर्भवती महिलाओं का चेकअप, टीकाकरण, बालक बालिका जन्मदर, शिशु एवं बाल मृत्यु अंकेक्षण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य बीमा, बच्चों की बीमारी का ए,बी,सी,डी वर्ग की स्थिति की जानकारी दी। इसी प्रकार सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला ने लिम्फेडेमा, हाइड्रोसिल, टीबी, एनीमिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान में जिले की स्थिति के बारे में जानकारी दी। कलेक्टर ने डॉक्टरों की बैठक में समीक्षा करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के माध्यम से एनीमिया को खत्म करने के लिए किशोरियों और गर्भवती महिलाओं को पोषक पदार्थ देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के सभी आश्रम छात्रावास में प्रत्येक माह में बच्चों के हेल्थ चेकअप करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले के नदियां किनारे बसे गांव में होने वाले बीमारी की जानकारी लेते हुए कलेक्टर अभियान चलाकर कुष्ठ, टीबी, ब्लड प्रेशर, शुगर मरीजों का चिन्हित कर इलाज करने के ि नर्देश दिए।

चाकू की नोक पर लूटी गई रकम को पुलिस ने किया बरामद

मुख्य आरोपी बिट्टू खान गिरफ्तार एवं विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध की गई विधिसम्मत कार्यवाही।

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) – प्रार्थी राकेश नायक पिता जन्मजय नायक उम्र 35 वर्ष साकिन माधोपाली थाना सरायपाली ने रिपोर्ट दर्ज कराया की बीते दिनों रात्रि के समय सरायपाली से काम पश्चात् मोटरसाइकिल से अपने दोस्त लक्ष्मीचंद के साथ घर जा रहा था। दर्राभाठा बिजली आफिस पास पहुंचा था कि आरोपी बिट्टू खान प्रार्थी को रोककर चाकु दिखाकर जान से मारने की धमकी दिया व गंदी गंदी गाली गलौच किया। आरोपी बिट्टू खान प्रार्थी के पेंट जेब में रखे एक हजार नौ सौ रुपए को छिन लिया और पुलिस को बताने पर जान से मार दूंगा कहकर वहां से भाग गया था। प्रार्थी की सूचना पर थाना सरायपाली में आरोपियो के विरूध्द अपराध क्रमांक 01/26 धारा 296, 351(2),126(2), 309(4), 3(5) बीएनएस का अपराध धारा कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना सरायपाली टीम घटना की गंभीरता को देखते हुये तत्काल घटनास्थल पहुंचकर आरोपी तलाश किया जो वहॉ से फरार हो गया था। टीम लगाकर आरोपी की पता तलाश कर दबिश देकर लूट के मामले के आरोपी बिट्टू खान पिता मोहम्मद खान उम्र 23 वर्ष साकिन ताज नगर झिलमिला को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से लूट किये गये रकम एक हजार नौ सौ जो जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है। उक्त घटना में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की गई।

बिहान योजना के तहत महासमुन्द जिला के 30 महिला आजीविका दुकानों का शुभारंभ

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, आगामी तीन महीनों में 150 दुकान खोले जाने का लक्ष्य

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज बिहान योजना अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा संचालित 30 आजीविका दुकानों का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत नंदनवार द्वारा 6 दुकानों का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रत्येक विकासखंड से 6-6 दुकानों का शुभारंभ किया गया है। इन दुकानों के माध्यम से महिला समूह की सदस्य न केवल स्वरोजगार से जुड़ेंगी,बल्कि अपने जीवन स्तर में भी निरंतर सुधार करेंगी।

ये दुकानें महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए सीधे बाजार के रूप में भी कार्य करेंगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के विक्रय के लिए किसी बिचौलिये पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

जिला पंचायत सीईओ श्री नंदनवार द्वारा इस नवाचार की शुरुआत की गई, जिसका नाम आजीविका 150 रखा गया है।

इस नवाचार के अंतर्गत आगामी 3 माह में पूरे जिले में 150 आजीविका दुकानों के शुभारंभ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज 30 दुकानों के उद्घाटन के साथ इस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत हो गई है।

आज जिन स्थानों पर दुकानों का शुभारंभ हुआ, उनमें बागबाहरा, खल्लारी, तेंदुकोना, महासमुंद के मोंगरा तथा पिथौरा के गढ़बेड़ा शामिल हैं। बागबाहरा विकासखंड के क्लस्टर खल्लारी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत नंदनवार ने बिहान बाजार का विधिवत शुभारंभ किया ।

इस अवसर पर सीईओ नंदनवार ने समूह की महिलाओं को बधाई दी। शुभारंभ अवसर पर जय मां शीतला महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा ग्राम बोईरगांव में प्रारंभ की गई फैंसी एवं कपड़ा दुकान के खुलने पर समूह की महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया।

इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को स्व-रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि बिहान मिशन का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। मिशन के अंतर्गत ऐसे बाजारों और स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण आजीविका में वृद्धि हो और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हो सके। उन्होंने कहा कि बिहान बाजार स्थानीय उत्पादों के विपणन का सशक्त माध्यम बनेगा। इससे न केवल महिला समूहों की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि उनकी आय के स्रोत भी सुदृढ़ होंगे। उन्होंने महिला समूहों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और ग्राहक संतुष्टि पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं स्थानीय ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बस्तर पंडुम हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं, कला और विरासत का जीवंत मंच – मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री साय ने बस्तर की कला, संस्कृति और परंपराओं को समर्पित बस्तर पंडुम 2026 के लोगो एवं थीम गीत का विमोचन

रायपुर। बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, लोकपरंपराओं और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से 'बस्तर पंडुम' का आयोजन वर्ष 2026 में भी गत वर्ष की भांति भव्य एवं आकर्षक रूप में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दंतेवाड़ा में माँ दंतेश्वरी के आशीर्वाद के साथ मंदिर प्रांगण में बस्तर पंडुम का लोगो एवं थीम गीत का विमोचन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बस्तर पंडुम बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि आज माँ दंतेश्वरी के इस पावन प्रांगण से बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ हो रहा है। यहाँ बस्तर पंडुम 2026 का लोगो और थीम गीत का विमोचन किया गया है। बस्तर पंडुम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा है। यह हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं, कला और विरासत का जीवंत मंच है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की असली पहचान हमारी आदिवासी परंपराओं में है। हम नृत्य, गीत, शिल्प, व्यंजन, वन-औषधि और देवगुड़ियों के माध्यम से इन परंपराओं और संस्कृति को जीते हैं। पिछले वर्ष हमने बस्तर पंडुम की शुरुआत की थी। समापन अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह भी हम सबके बीच आए थे। इस वर्ष हम राष्ट्रपति , केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री तथा भारत में नियुक्त विभिन्न देशों के राजदूतों को भी आमंत्रित कर रहे हैं। पिछली बार बस्तर पंडुम को लेकर बस्तरवासियों का जो उत्साह और जोश देखने को मिला, वह अभूतपूर्व था। इस बार हम इसे और अधिक भव्य बना रहे हैं, ताकि यहाँ की धरोहर राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष बस्तर पंडुम की प्रतिस्पर्धाओं में विधाओं की संख्या सात से बढ़ाकर बारह कर दी गई है। इनमें जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा, आभूषण, पूजा-पद्धति के साथ ही शिल्प, चित्रकला, पारंपरिक व्यंजन-पेय, आंचलिक साहित्य और वन-औषधि को भी शामिल किया गया है। इस बार बस्तर पंडुम प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि बस्तर की संस्कृति को सहेजते हुए नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाए। बस्तर अब केवल संस्कृति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि शांति, समृद्धि और पर्यटन के माध्यम से विकास का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बस्तर को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है। यह उत्सव बताता है कि बस्तर अब संघर्ष से नहीं, बल्कि सृजन और उत्सव से पहचाना जाएगा।

उन्होंने बस्तरवासियों एवं सभी कलाकार भाई-बहनों से आग्रह किया कि वे अपनी कला के माध्यम से बस्तर का गौरव बढ़ाएँ और अधिक से अधिक संख्या में बस्तर पंडुम के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लें। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि 'पंडुम' का अर्थ पर्व होता है। बस्तर में खुशियों को बढ़ाने के लिए समय-समय पर विभिन्न पर्व (पंडुम) मनाए जाते हैं। किसी भी पर्व की शुरुआत माता के आशीर्वाद से करने की परंपरा रही है। इसी तारतम्य में बस्तर पंडुम की शुरुआत माँ दंतेश्वरी के मंदिर परिसर से की जा रही है। बस्तर समृद्ध संस्कृति से परिपूर्ण है। यहाँ निवास करने वाली जनजातियों की कला, शिल्प, नृत्य, संगीत और खानपान को समाहित कर बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नेशनल सेंटर ऑफएक्सीलेंस में परफॉर्मेंस असेसमेंट के लिए चयनित खिलाड़ियों को दिए हॉकी किट

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बेंग्लुरू स्थित साई (Sports Authority of India) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में परफॉर्मेंस असेसमेंट के लिए चयनित खिलाड़ियों को हॉकी किट प्रदान किया। उन्होंने आज नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय में गोलकीपर अल्फाज खान को गोलकीपिंग का संपूर्ण किट तथा फॉरवर्ड पोजिशन में खेलने वाली मधु सिदार और दामिनी खुसरो को हाकी स्टिक प्रदान किया। ये तीनों खिलाड़ी बिलासपुर स्थित स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में पिछले तीन सालों से हॉकी का प्रशिक्षण ले रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तीनों खिलाड़ियों के साई के परफॉर्मेंस असेसमेंट कैंप में चयन पर खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी। उन्होंने तीनों को भविष्य में अच्छे प्रदर्शन और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। जून-2022 से खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित बहतराई के आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में 67 खिलाड़ी अभी हॉकी का प्रशिक्षण ले रहे हैं। राज्य शासन और प्रशिक्षकों के सहयोग से यहां से लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार हो रहे हैं। हॉकी किट के वितरण के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री ए. एक्का और राज्य प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में हॉकी के वरिष्ठ कोच श्री राकेश टोप्पो भी मौजूद थे।

रायपुर के अल्फाज खान हाल ही में 12 दिसम्बर से 19 दिसम्बर तक बेंग्लुरू के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में परफॉर्मेंस असेसमेंट कैंप में शामिल हुए थे। वहां भारतीय हॉकी कोच श्री पी.आर. श्रीजेश ने देशभर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखा। जशपुर की मधु सिदार और बोड़ला (कबीरधाम) की दामिनी खुसरो इसी महीने 16 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित परफॉर्मेंस असेसमेंट कैंप में शामिल होंगी। इन तीनों खिलाड़ियों ने 15वीं हॉकी इण्डिया जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इसी आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर परफॉर्मेंस असेसमेंट कैंप के लिए हुआ है। दामिनी खुसरो और मधु सिदार पिछले वर्ष हुए वेस्ट जोन हॉकी चैम्पियनशिप में विजेता टीम का हिस्सा रही थी। इसमें मधु सिदार सर्वाधिक गोल कर टॉप स्कोरर रही थी।

राज्यपाल डेका ने गोद ग्रामों में आजीविका कार्यों को गति देने के दिए निर्देश

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका द्वारा गोद लिए गए ग्रामों में आजीविका, कौशल विकास और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिए गए है। राज्यपाल श्री डेका ने आज समाज कल्याण विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं हथकरघा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर गोद ग्रामों में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल द्वारा खैरागढ़- छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम सोनपुरी, बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी तथा गरियाबंद जिले के ग्राम बिजली को गोद लिया गया है। इन ग्रामों में शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा समावेशी विकास को बढ़ावा देने की पहल की है। राज्यपाल श्री डेका ने लाइवलीहुड मिशन के अंतर्गत कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि गोद ग्रामों मे विस्तृत सर्वेक्षण कर स्थानीय आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाए। दिव्यांगजनों को

आवश्यक सहायक उपकरण, पात्र हितग्राहियों को पेंशन तथा अन्य सामाजिक सुरक्षाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़ने और आजीविका गतिविधियों में उनकी सहभागिता बढ़ाने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि कौशल विकास के लिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने गोद ग्रामों का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर आवश्यकतानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में समाज कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संचालक श्री अश्वनी देवांगन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गरियाबंद क्षेत्र में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : कच्चा मांस एवं हथियार जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में वन क्षेत्रों में अवैध शिकार की रोकथाम के लिए वन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) के मार्गदर्शन में जंगलों में नियमित पेट्रोलिंग और जांच की जा रही है। इसके तहत पूरे राज्य में वन विभाग की टीमें लगातार सतर्क रहकर कार्रवाई कर रही हैं। गरियाबंद क्षेत्र में वन विभाग को प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर 01 जनवरी को परिक्षेत्र परसुली अंतर्गत ग्राम कोपेकसा में बड़ी कार्रवाई की गई। सर्च वारंट के तहत सहायक वन संरक्षक श्री नदीम कृष्णा बरिहा, श्री आर.के. साहू एवं श्री शिव प्रसाद ध्रुव के संयुक्त नेतृत्व में ग्रामीण नंदू, पिता महेतर ध्रुव के निवास स्थान पर छापामार कार्रवाई की गई। तलाशी के दौरान आरोपी के घर से भारी मात्रा में वन्यजीव का कच्चा तथा पका हुआ मांस बरामद किया गया। इसके साथ ही एक लाइसेंसी भरमार बंदूक, एक एयर गन तथा अन्य हथियार भी जब्त किए गए। बरामद मांस के नमूनों को जांच हेतु भेज दिया गया है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में राज्य में अवैध शिकार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें की गई हैं तथा अवैध शिकार पर सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों के फलस्वरूप प्रदेश भर में छापामार कार्रवाईयाँ की जा रही हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

छापामार कार्रवाई के साथ-साथ वन विभाग द्वारा स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए निरंतर अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के माध्यम से वन एवं वन्यजीवों के संरक्षण का महत्व तथा अवैध शिकार करने पर होने वाले कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है, ताकि लोग वन्य प्राणी के शिकार जैसे कृत्यों से दूर रहें और वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में सहयोग करें।

देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरता छत्तीसगढ़ : श्री शेखावत

भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना छत्तीसगढ़ : गजेंद्र सिंह शेखावत

रायपुर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़ इस संकल्प के साथ में हम सब लोग काम करेंगे ऐसा भरोसा और विश्वास आप सबको दिलाते हुए आप सबको बहुत सारी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न किया गया। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को

एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा। भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का केन्द्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने किया भूमिपूजन छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद कल सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में Škoda Auto का सिल्वर जुबली साल अब तक का सबसे शानदार साल बन गया है

मुंबई: Škoda Auto ने 2025 को अपनी भारत यात्रा में अब तक का सबसे अहम साल बताया। इसने देश में अपनी 25वीं सालगिरह को अपनी अब तक की सबसे मज़बूत सेल्स परफ़ॉर्मेंस के साथ मनाया। ब्रैंड ने 2025 को 72,665 कारों की बिक्री के साथ खत्म किया, जो 2024 में बेची गई 35,166 यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 107त्न की बढ़ोतरी है। यह शानदार परफ़ॉर्मेंस 2025 को Škoda Auto India का अब तक का सबसे शानदार साल बनाती है, जो प्रोडक्ट्स, मार्केट्स और कस्टमर टचपॉइंट्स में हुई तेज़ी को दिखाती है। इस खास साल पर कमेंट करते हुए, Škoda Auto India के ब्रैंड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, साल 2025 हमारे लिए हमेशा खास रहेगा। यह भारत में हमारी 25वीं सालगिरह है, और हमने यह साल अब तक के सबसे बेहतर और अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ देखा है, और अब हम नेटवर्क और मार्केट में अपनी सबसे बड़ी मौजूदगी के मामले में सबसे आगे हैं। इस सबने, हमारे ग्राहकों के भरोसे और प्यार के साथ मिलकर, इसे भारत में अब तक का हमारा सबसे शानदार साल बनाया है। Kylaq को मिला ज़बरदस्त रिस्पॉन्स, Kodiaq के लिए लगातार तारीफ़ और Octavia RS की वापसी के लिए जोश, ब्रैंड के साथ ग्राहकों के मज़बूत इमोशनल जुड़ाव को और पक्का करता है। इसके साथ ही, जिन कारों, Kushaq और Slavia, से हमारी इंडिया 2.0 जर्नी शुरू हुई, उनकी लगातार डिमांड बनी हुई है। जैसे ही हम 2026 में कदम रख रहे हैं, हम इस मोमेंटम को नए प्रोडक्ट अटैक, बेहतर सेल्स और आफ्टरसेल्स इनिशिएटिव्स, और अपनी पहुंच बढ़ाने और अपने ग्राहकों के करीब आने पर और भी ज़्यादा फोकस के साथ आगे बढ़ाने की उम्मीद करते हैं।

एआईएनयू आंध्र प्रदेश का पहला किडनी हॉस्पिटल बना, जहाँ अब नई रोबोटिक सर्जरी की सुविधा है

नईदिल्ली। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू), विशाखापट्टनम ने आज यूरोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के लिए क्षेत्र का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रोग्राम शुरू किया। इससे शहर के मरीजों को अब और भी आसान, सुरक्षित और बेहतर इलाज मिल सकेगा। इस नई रोबोटिक टेक्नोलॉजी से एआईएनयू में होने वाली यूरोलॉजी और किडनी की सर्जरी अब और भी आसान और बेहतर हो गई है।एआईएनयू पिछले कई सालों से अच्छे इलाज के लिए जाना जाता है और अनुभवी डॉक्टरों के साथ लोगों की देखभाल कर रहा है। विशाखापट्टनम में एआईएनयू ही ऐसा खास किडनी हॉस्पिटल है, जहाँ यह नई और आधुनिक टेक्नोलॉजी मौजूद है। मरीजों के लिए यह बहुत बेहतरीन सुविधा है, क्योंकि अब एक ही जगह पर कई तरह के आधुनिक इलाज मिलेंगे। नई रोबोटिक टेक्नोलॉजी से एआईएनयू में अब नए और बेहतर इलाज शुरू हुए हैं, जैसे प्रोस्टेट की रोबोटिक सर्जरी, मुश्किल यूरोलॉजी सर्जरी, बच्चों की सर्जरी, किडनी का आंशिक ऑपरेशन और किडनी ट्रांसप्लांट आदि। अब एआईएनयू, विशाखापट्टनम इस इलाके के अच्छे यूरोलॉजी इलाज केंद्रों में शामिल हो गया है। नई रोबोटिक टेक्नोलॉजी से डॉक्टर अब मुश्किल ऑपरेशन भी बहुत आसानी और सही तरीके से कर पा रहे हैं। इसमें साफ़3ष्ठ तस्वीर, ज़्यादा ज़ूम और बिना हिले काम करने वाली मशीनें होती हैं, जिससे इलाज और भी बेहतर हो जाता है। इससे मरीजों को कम दर्द होता है, छोटे चीरे लगते हैं और वे जल्दी ठीक हो जाते हैं। एआईएनयू में यह इलाज अनुभवी डॉक्टरों की टीम करती है, जहाँ आधुनिक ऑपरेशन थिएटर और जाँच की सभी सुविधाएँ हैं। अब विशाखापट्टनम के लोगों को बड़े शहरों में जाने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि यहाँ ही किडनी और यूरोलॉजी का आधुनिक और भरोसेमंद इलाज मिल रहा है। रोबोटिक सर्जरी प्रोग्राम से उन मरीजों को काफी फायदा मिलेगा जिन्हें प्रोस्टेट कैंसर सर्जरी, रेडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी, आंशिक और रेडिकल नेफ्रेक्टॉमी, पाइलोप्लास्टी, यूरेटरीक रीइम्प्लांटेशन, मूत्राशय की सर्जरी, यूरेटरीक स्ट्रक्चर रिकंस्ट्रक्शन, जटिल रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी और आवश्यकता पड़ने पर पीडियाट्रिक रोबोटिक यूरोलॉजी जैसी सर्जरी की ज़रूरत होती है। आंध्र प्रदेश के सांसद श्री श्रीभरत मथुकुमिल्ली ने बताया कि, विशाखापट्टनम के इस किडनी हॉस्पिटल में नई रोबोटिक टेक्नोलॉजी शुरू होना बहुत अच्छा विचार है। इससे इलाज और बेहतर होगा और शहर में बेहतरीन मेडिकल सुविधाएँ बढ़ेंगी। इस टेक्नोलॉजी से मरीजों को कम दर्द होगा, इलाज सुरक्षित रहेगा और वे जल्दी ठीक हो पाएँगे।

सीईएस में सैमसंग रचेगा नया इतिहासः जेबी पार्क पेश करेंगे एआई उपकरणों का 'नेक्स्ट जेनरेशन' विज़न

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स भविष्य की तकनीक की दिशा तय करने वाले अपने 'विज़न 2026' को दुनिया के सामने रखने के लिए तैयार है। दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रदर्शनी कंज़्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (CES) में कंपनी अपनी 'डिवाइस एक्सपीरियंस डिवीजन' के तहत एआई-संचालित अनुभवों की एक नई श्रृंखला पेश करेगी। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने इस आगामी इवेंट को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, सैमसंग के एआई उपकरण आज एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़े हैं। ये अब केवल मशीनें नहीं, बल्कि आपके जीवन के साथी हैं, जो आपकी आदतों को गहराई से समझते हैं। CES 2026 में हम दिखाएंगे कि कैसे एआई आपके रोज़मर्रा के कामों को और अधिक आसान और मूल्यवान बना सकता है। साथ ही, 4 जनवरी को लास वेगास में आयोजित होने वाले 'फर्स्ट लुक' इवेंट में हम टीवी टेक्नोलॉजी की मौजूदा सीमाओं को तोड़ते हुए बिल्कुल नया अनुभव पेश करेंगे। इस बार CES में सैमसंग का मुख्य फोकस ऐसे घरेलू उपकरणों पर होगा जो 'स्मार्ट केयर' और 'पावरफुल हार्डवेयर' का बेहतरीन संगम हैं। कंपनी अपने 'बेस्पोक एआई' पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। इसमें कपड़ों की देखभाल के लिए इंटेलिजेंट लॉन्ड्री सॉल्यूशंस और घर के माहौल को समझने वाले एयर कंडीशनिंग सिस्टम शामिल हैं। ये सभी डिवाइस एक-दूसरे के साथ इतने सटीक तालमेल में काम करते हैं कि यूज़र को एक सहज लाइफस्टाइल का अनुभव मिलता है।

CES में प्रमुख नवाचारों में अपग्रेडेड बेस्पोक एआई एयरड्रेसर, बेस्पोक एआई लॉन्ड्री कॉम्बो, बेस्पोक एआई विंडफ्री प्रो एयर कंडीशनर और फ्लैगशिप बेस्पोक एआई जेट बॉट स्टीम ऑल-इन-वन रोबोट वैक्यूम शामिल हैं।

लगातार दो दशकों से टीवी इंडस्ट्री के लीडर के रूप में स्थापित सैमसंग इस बार अपने माइक्रो RGB डिस्प्ले का भी विस्तार करेगा। यह तकनीक घर पर सिनेमाई अनुभव के नए मानक स्थापित करने वाली है।

संपादकीय

भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी

बांग्लादेश में अब सिर्फ यह मसला नहीं है कि वहां भारत विरोधी उग्रवादी तत्व सक्रिय हैं। बल्कि अब वहां भारत विरोध पर आम सहमति बन गई है। तमाम समूह भारत पर बांग्लादेश की संप्रभुता की अनदेखी करने का इल्जाम लगा रहे हैं। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में फंसे कांटे की चुभन लगातार तीखी होती जा रही है। इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ी हैं। तमाम संकेत हैं कि बांग्लादेश में अगले 12 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए गरमाते माहौल के बीच राजनीतिक समूहों में अधिक से अधिक भारत विरोधी दिखने की होड़ लग गई है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की भारत में मौजूदगी को वहां के भारत विरोधी तत्वों ने गरम मुद्दा बना रखा है। इसी सिलसिले में ताजा घटना जुलाई ओइक्यो नाम के एक संगठन का ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग पर प्रदर्शन करने का कार्यक्रम है। एक अन्य संगठन ने खुलेआम कहा है कि वह भारत विरोधी उग्रवादी संगठनों को संरक्षण देगा। इन घटनाओं के मद्देनजर ही बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त को तलब किया। भारत ने औपचारिक विरोध दर्ज कराया। कहा कि ढाका में भारतीय मिशन और वीजा केंद्र को सुरक्षा देना बांग्लादेश सरकार की जिम्मेदारी है। कट्टरपंथी तत्वों की तरफ से फैलाए गए झूठे नैरेटिव के मद्देनजर भारत ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने घटनाओं की ना तो पूरी जांच की है और ना ही भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किया है। फिलहाल ढाका में वीजा केंद्र को बंद कर दिया गया है। बांग्लादेश में बनते हालात के मद्देनजर यह सख्ती सही कदम है, मगर इससे गंभीर रूप ले रही समस्या का समाधान निकलने की संभावना नहीं है। बांग्लादेश में अब सिर्फ यह मसला नहीं है कि वहां भारत विरोधी उग्रवादी तत्व सक्रिय हैं। बल्कि अब वहां मौजूद राजनीतिक समूहों में भारत विरोध पर आम सहमति है। ये समूह भारत पर बांग्लादेश की संप्रभुता की अनदेखी करने और वहां के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का इल्जाम मढ़ रहे हैं। जब से शेख हसीना को कई मामलों में कठोर सजाएं सुनाई गई हैं, माहौल और बिगड़ा है। इस माहौल में सद्भावपूर्ण संवाद भी कठिन होता जा रहा है। भारत के दीर्घकालिक हितों के लिहाज से यह अच्छी स्थिति नहीं है। एक और सरहद पर सुरक्षा संबंधी चुनौतियां संगीन रूप ले लें, यह किसी रूप में वांछित स्थिति नहीं होगी।

नववर्ष आत्ममंथन व संकल्प का अवसर भी होता है

सुनील दास

पुराने साल के विदा होने पर हम नववर्ष का स्वागत करते हैं,उत्सव मनाते हैं, हम चाहते हैं कि नया साल पिछले साल से ज्यादा अच्छा हो लेकिन चाहने भर से कोई साल किसी के लिए या सभी के लिए पिछले साल से तो अच्छा नहीं हो सकता।नया साल का उत्सव मनाना चाहिए लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए यह समय यह भी ध्यान देने का है कि पिछले साल क्या गलती हुई है, कहां असफल हो गए थे, क्यों असफल हो गए थे। सफल होने के लिए क्या करना होगा। कोई अच्छा काम किए हैं तो उसी तरह और अच्छा कैसे कर सकते हैं यह भी सोचना चाहिए। यानी नववर्ष पर आत्ममंथन के साथ ही यह संकल्प लेना चाहिए कि मुझे यह करना है और सफल भी होना है। साथ ही व्यक्तिगत संकल्प के साथ सामूहिक संकल्प भी लेना चाहिए क्योंकि हम अकेले नहीं है हमारा परिवार है,समाज है,देश है। सब के विषय मे अच्छा सोचना हमारी जिम्मेदारी है। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान लोगों को यही संदेश दिया है कि आप सोच नहीं रहे हैं तो आपको सोचना शुरू करना चाहिए कि हम अपने देश व समाज के विषय में कितना सोच रहे हैं क्या हम अपने परिवार के विषय् में सोच रहे हैं तो यह गलत है तो कैसे गलत है। उन्होंने सोनपैरी में आयोजित हिंदू सम्मेलन में लोगों को संदेश दिया कि भारत के लोगों को यह सोचना होगा कि मैं, मेरा परिवार,मेरा समाज यह सब देश के होने पर ही है। देश है तो सब है।देश खतरे में पड़ा तो परिवार भी खतरे में होगा।इसलिए हमें अपने परिवार कल्याण के साथ साथ समाज व देश के कल्याण के बारें में सोचना होगा।भारत का कल्याण होगा तो परिवार व समाज का कल्याण होगा।भारत का कल्याण होगा तो भारत पूरे विश्व का कल्याण करेगा। देश में आरएसएस सौ साल से यही कर रहा है। लोगों को बता रहा है,समझा रहा है कि आपको अपने परिवार से लेकर देश के बारे मे सोचना है, करना है,यह आपकी जिम्मेदारी है। इस काम को करते संघ को सौ साल हो गए हैं तो वह इस मौके पर संघ समाज व लोगों के बीच आया है बता रहा है कि अभी कुछ काम हुआ है, अभी बहुत काम बाकी है और उसे हम सबको मिलजुल कर करना है।मोहन भागवत ने लोगों को बताया कि यह सिर्फ का संघ काम नहीं हैं हिंदू समाज को जोड़ना, उसे एकजुट करना,उसे बताना कि मैं के बारे में नहीं सोचना है, हम के बारें सोचना है।मेरा कल्याण हो नहीं सोचना है, हमारा कल्याण हो सोचना है,सबका कल्याण हो सोचना है।हमारा एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि हिंदू संस्कृति,हिंदू समाज व हिंदू राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति। इस मौके पर हिंदू सम्मेलन में यूपी के लखीमपुरी खीरी से संत असंग देव को बुलाया गया था और गायत्री परिवार से जुड़ी उर्मिला नेताम को भी बुलाया गया था और यह संदेश दिया गया कि हिंदू समाज में पंथ व संप्रदाय तो कई हैं लेकिन वह भी आरएसएस का ही काम कर रहे हैं। हिंदू समाज को एकजुट व जगाने का काम कर रहे है,इसलिए उनका भी सम्मान होना चाहिए और उनको अपना समझना चाहिए।इस मौके पर संत असंग देव ने कहा कि जाति,पंथ व संप्रदाय में टूटे तो कूटे जाओगे। हम पहले हिंदू है,फिर पंथ है, फिर संप्रदाय है।उन्होंने लोगों से अहंकार छोड़ने व संस्कार अपनाने की अपील की । वहीं गायत्री परिवार से जुड़ी उर्मिला नेताम ने इस मौके पर कहा कि नारियों के सशक्त होने पर ही समाज व देश बदलेगा।नारियां सशक्त होंगी तो युग बदलेगा। उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि परिवारों को जोड़े रखना,नई पीढ़ी में संस्कार लाना,नशे के विरुध्द जनजागरण से ही युग बदलेगा।

नक्सली आतंक से पूर्ण मुक्ति की ओर लाल गलियारा

प्रमोद भार्गव

नक्सली अभियान के विरुद्ध ओडिशा में एक नई सफलता मिली है।कंधमाल जिले में चली एक मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने चार माओवादियों को मार गिराया। इनमें 1.20 करोड़ रुपए के इनामी ओडिशा राज्य समिति के प्रभारी 69 वर्षीय गणेश उइके और दो महिलाएं भी शामिल हैं।इससे पता चलता है कि समूचे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में महिलाएं भी सशक्त भूमिका निभा रहीं हैं।गणेश के मारे जाने के बाद अब ओडिशा नक्सल मुक्त होने की दिशा में तेजी से बढ़ेगा।इसके पहले बसव राजू और हिड़मा समेत नक्सली केंद्रीय समिति के एक दर्जन से अधिक शीर्ष माओवादी मुठभेड़ में मार गिराए गए हैं।इन नेतृत्व कर्ताओं की मृत्यु के बाद संगठनों का वर्चस्व खात्मे की ओर है।अतएव हम कह सकते हैं कि गृहमंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक माओवाद के समूल नाश का जो वचन दिया है, वह पूरा होगा।

माओवादी अर्से से देश में एक ऐसी जहरीली विचारधारा रही है, जिसे नगरीय बौद्धिकों का समर्थन मिलता रहा है। ये बौद्धिक नक्सली संगठनों को आदिवासी समाज का हितचिंतक मानते रहे हैं, जबकि जो आदिवासी नक्सलियों के विरोध में रहे, उन्हें इनकी हिंसक क्रूरता का शिकार होना पड़ा है। बावजूद इसे दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि देश के वामपंथी दलों को कभी भी सुरक्षाबलों का नक्सलियों के खिलाफ चलाया जा रहा सफाये का अभियान पसंद नहीं आया। इसलिए जब मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते हुए तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने नक्सलवाद के खिलाफ ऑपरेशन ग्रीनहंट चलाया था,तब उसका पुरजोर विरोध कांग्रेस समेत सभी सहयोगियों दलों ने किया,फलत: ऑपरेशन तो किसी नतीजे पर पहुंचे बिना ही दम तोड़ता चला गया,परंतु नक्सली संगठन के स्तर पर मजबूत और सुरक्षा बलों के लिए घातक होते चले गए।

नक्सली हिंसा लंबे समय से देश के अनेक प्रांतों में आंतरिक मुसीबत बनी हुई है। वामपंथी माओवादी उग्रवाद कभी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता रहा है। लेकिन चाहे जहां रक्तपात की नदियां बहाने वाले इस उग्रवाद पर लगभग नियंत्रण किया जा चुका है। नई रणनीति के अंतर्गत अब सरकार ने सीआरपीएफ की तैनाती उन सब अज्ञात क्षेत्रों में कर दी है, जहां नक्सली अभी भी ठिकाना बनाए हुए हैं। इस नाते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सबसे अधिक नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्र में 4000 से अधिक सैन्यबल तैनात कर चुकी है। इतनी बड़ी संख्या में सैन्यबलों की अज्ञात क्षेत्र में पहुंच का मतलब है कि अब इस उग्रवाद से अंतिम लड़ाई होने वाली है। मजबूत और कठोर कार्य योजना को अमल में लाने का ही नतीजा है कि इस साल सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 2024 में 153 नक्सली मारे जा चुके हैं। शाह का कहना है कि 2004-2014 की तुलना में 2014 से 2024 के दौरान देश में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 53 प्रतिशत की कमी आई है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की 16,274 वारदातें दर्ज की गई थीं, जबकि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद 10 सालों में इन घटनाओं की संख्या घटकर 7,696 रह गई। इसी अनुपात में देश में माओवादी हिंसा के कारण होने वाली मौतों की संख्या 2004 से 2014 में 6,568 थीं, जो पिछले दस साल में घटकर 1990 रह गई हैं और अब सरकार ने जो नया संकल्प लिया है, उससे तय है कि जल्द ही इस समस्या को निर्मूल कर दिया जाएगा। जिस तरह से नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से आतंक और अलगाववाद खत्म करने की निर्णायक लड़ाई लड़ी थी, वैसी ही स्थिति अब छत्तीसगढ़ में अनुभव होने लगी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि छत्तीसगढ़ में नक्सली तंत्र कमजोर हुआ है, लेकिन उसकी शक्ति अभी शेष है। अब तक पुलिस व गुप्तचर एजेंसियां इनका सुराग लगाने में नाकाम होती रही थीं, लेकिन नक्सलियों पर शिकंजा कसने के बाद से इनको भी सूचनाएं मिलने लगी हैं। इसी का नतीजा है कि सैन्यबल इन्हें निशाना बनाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नक्सली आदिवासी हैं। इनका कार्यक्षेत्र वे आदिवासी बहुल इलाके हैं, जिनमें ये खुद आकर नक्सली बने हैं। इसलिए इनका सुराग सुरक्षाबलों को लगा पाना कठिन होता है। लेकिन ये इसी आदिवासी तंत्र से बने मुखबिरों से सूचनाएं आसानी से हासिल कर लेते हैं। दुर्गम जंगली क्षेत्रों के मार्गों में छिपने के स्थलों और जल स्रोतों से भी ये खूब परिचित हैं। इसलिए ये और इनकी शक्ति लंबे समय से यहीं के खाद-पानी से पोषित होती रही है। हालांकि अब इनके हमलों में कमी आई है। दरअसल इन वनवासियों में अर्बन माओवादी नक्सलियों ने यह भ्रम फैला दिया था कि सरकार उनके जंगल, जमीन और जल-स्रोत उद्योगपतियों को सौंपकर उन्हें बेदखल करने में लगी है, इसलिए यह सिलसिला जब तक थमता नहीं है, विरोध की मुहिम जारी रहनी चाहिए। सरकारें इस समस्या के निदान के लिए बातचीत के लिए भी आगे आईं, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इन्हें बंदूक के जरिए भी काबू में लेने की कोशिशें हुई हैं। लेकिन नतीजे पूरी तरह अनुकूल नहीं रहे। एक उपाय यह भी हुआ कि जो नक्सली आदिवासी समर्पण कर मुख्यधारा में आ गए थे, उन्हें बंदूकें देकर नक्सलियों के विरुद्ध खड़ा करने की रणनीति भी अपनाई गई। इस उपाय में खून-खराबा तो बहुत हुआ, लेकिन समस्या बनी रही। गोया, आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने से लेकर विकास योजनाएं भी इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त करने में अब तक सफल नहीं हो पाई हैं। दरअसल, देश में अब तक तथाकथित शहरी बुद्धिजीवियों का एक तबका ऐसा भी रहा, जो माओवादी हिंसा को सही ठहराकर संवैधानिक लोकतंत्र को मुखर चुनौती देकर नक्सलियों का हिमायती बना हुआ था। यह न केवल उनको वैचारिक खुराक देकर उन्हें उकसाने का काम करता था, बल्कि उनके लिए धन और हथियार जुटाने के माध्यम भी खोलता था। बावजूद इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि जब ये राष्ट्रघाती बुद्धिजीवी पुख्ता सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किए गए तो बौद्धिकों और वकीलों के एक गुट ने देश के सर्वोच्च न्यायालय को भी प्रभाव में लेने की कोशिश की थी और गिरफ्तारियों को गलत ठहराया था। माओवादी किसी भी प्रकार की लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पसंद नहीं करते हैं। इसलिए जो भी उनके खिलाफ जाता है, उसकी बोलती बंद कर दी जाती हैं। लेकिन अब इस चरमपंथ पर पूर्ण अंकुश लगने जा रहा है।

व्यवस्था बदलने के बहाने 1967 में पश्चिम बंगाल के उत्तरी छोर पर नक्सलवाड़ी ग्राम से यह खूनी आंदोलन शुरू हुआ था। तब इसे नए विचार और राजनीति का वाहक कुछ साम्यवादी नेता, समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री और मानवाधिकारवादियों ने माना था।लेकिन अंततः माओवादी नक्सलवाद में बदला यह तथाकथित आंदोलन खून से इबारत लिखने का ही पर्याय बना हुआ है। जबकि इसके मूल लक्ष्यों में नौजवानों की बेकारी, बिहार में जाति तथा भूमि के सवाल पर कमजोर व निर्बलों का उत्थान, आंध्र प्रदेश और अविभाजित मध्य-प्रदेश के आदिवासियों का कल्याण तथा राजस्थान के श्रीनाथ मंदिर में आदिवासियों के प्रवेश शामिल थे। किंतु विषमता और शोषण से जुड़ी भूमण्डलीय आर्थिक उदारवादी नीतियों को जबरन अमल में लाने की प्रक्रिया ने देश में एक बड़े लाल गलियारे का निर्माण कर दिया था, जो पशुपति (नेपाल) से तिरुपति (आंध्रप्रदेश) तक जाता है। इस पूरे क्षेत्र में माओवादी वाम चरमपंथ पसर गया था। इसने नेपाल, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के एक ऐसे बड़े हिस्से को अपनी गिरफ्त में ले लिया था जो बेशकीमती जंगलों और खनिजों से भरे हैं। छत्तीसगढ़ के बैलाडीला में लौह अयस्क के उत्खनन से हुई यह शुरुआत ओड़ीसा की नियमगिरी पहाड़ियों में मौजूद बॉक्साइट के खनन तक पहुंच गई थी। यहां आदिवासियों की जमीनें वेदांता समूह ने अवैध हथकंडे अपनाकर जिस तरीके से छीनी थीं, उसे गैरकानूनी खुद देश की सर्वोच्च न्यायालय ने ठहराया था।

हालांकि खबरें तो यहां तक हैं कि पाकिस्तान और चीन माओवाद को बढ़ावा देने की दृष्टि से हथियार पंहुचाने की पूरी एक श्रृंखला बनाए हुए हैं। चीन ने नेपाल को माओवाद का गढ़ ऐसे ही सुनियोजित षड्यन्त्र रचकर वहां के हिंदू राष्ट्र की अवधारणा को ध्वस्त किया। नेपाल के पशुपति से तिरुपति तक इसी किस्म के माओवाद को आगे बढ़ाने की मानसिकता को तथाकथित शहरी बौद्धिकों ने प्रोत्साहित किया। किंतु केंद्र नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से राष्ट्र-राज्य की परिकल्पना को चुनौती बने इस चरमपंथ के दिन गिनती के रह गए हैं।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

प्रह्लाद सबनानी

भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टत: सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णत: गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णत: उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णत: अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णत: पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया।

दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था।

भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अत: वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई।

इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और ययां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे।

वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे। युद्ध के दौरान कश्मीर की हवाईपट्टियों से बर्फ हटाने का कार्य भी संघ के स्वयसेवकों द्वारा ही सम्पन्न किया गया था। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं। 1952 में गोरखपुर में प्रारंभ हुए प्रथम विद्यालय के साथ विद्या भारती वर्तमान में 12,830 औपचारिक विद्यालय तथा 11,350 अनौपचारिक केंद्र के साथ कुल 24,180 प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक तथा उच्च शिक्षा स्तर पर संचालित करती है जिनमें अध्ययनरत छात्रों की संख्या लगभग 34,48,000 तथा शिक्षकों की संख्या 150,000 है।

वर्ष 1955 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भारतीय मजदूर संघ की स्थापना की गई थी। भारतीय मज़दूर संघ विश्व का पहिला ऐसा मजदूर आंदोलन था, जिसने विध्वंस के स्थान पर निर्माण की धारणा की नीति अपनाई थी। विनिर्माण इकाईयों में विश्वकर्मा जयंती का चलन भारतीय मजदूर संघ ने ही प्रारम्भ किया था। आज भारतीय मजदूर संघ विश्व का सबसे बड़ा, शांतिपूर्ण और रचनात्मक मजदूर संगठन बन गया है। सेवा भारती, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चालित एक प्रकल्प है। यह मुख्यत: वनवासी क्षेत्रों में कार्य करता है। इसके मुख्य कार्य हैं - शिक्षा, संस्कार, सामाजिक जागरूकता, स्वरोजगार, धर्म-परिवर्तन से वनवासियों की रक्षा, आदि। सेवा भारती, भारत के दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में 2 लाख से अधिक सेवा कार्य कर रहा है। लगभग 35,000 एकल विद्यालयों में 10 लाख से अधिक छात्र अपना जीवन संवार रहे हैं। सेवा भारती ने जम्मू कश्मीर से आतंकवाद में अनाथ हुए 57 बच्चों के गोद लिया है जिनमें 38 मुस्लिम एवं 19 हिंदू बच्चे शामिल हैं।

वर्ष 1971 में ओड़िसा में आए भयंकर चक्रवात, वर्ष 1977 में आंध्रप्रदेश में आए चक्रवात, भोपाल गैस त्रासदी के दौरान, वर्ष 1984 में हुए सिख विरोधी दंगों, वर्ष 2001 में गुजरात में आए भूकम्प, उत्तराखंड में आई भयंकर बाढ़ और कारगिल युद्ध के घायलों की सेवा में संघ के स्वयसेवकों ने राहत और बचाव कार्यों में हमेशा आगे रहकर भागीदारी की है।

महात्मा गांधी ने वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर की यात्रा के दौरान वहां पूर्ण अनुशासन देखा और छुआछूत की अनुपस्थिति पायी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और जाना कि वहां लोग एक साथ रह रहे हैं तथा एक साथ भोजन कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में इसी प्रकार के विचार बाबा साहेब अम्बेडकर के भी थे।

भारतीय सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में हमें अपनी जानकारी को सुदृढ्ढ करना चाहिए, इसके बाद ही हम उक्त के बारे में गढ़े जा रहे झूठे विमर्श को ध्वस्त करने में सफल हो सकेंगे।

सर्दियों में ज्यादा परेशान करता है सोरायसिस

सर्दियों के मौसम में स्किन से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। अगर किसी को सोरायसिस है तो उसे सर्दियों में काफी ज्यादा परेशानी होती है। सोरायसिस एक त्वचा से जुड़ी बीमारी है जिसमें त्वचा पर लाल रंग की पपड़ीदार चकत्ते बनने लगते हैं। इसके कारण प्रभावित एरिया में खुजली सूजन बनी रहती है। यह एक ऑटोइम्यून विकार है। बहुत सारे लोगों का सवाल होता है कि आखिर क्यों सर्दियों में सोरायसिस ज्यादा परेशान करता है। आईए जानते हैं इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट से।

एक्सपर्ट बताती है कि सर्दियों में हवा में नमी में कमी हो जाती है। वातावरण बहुत सूखा हो जाता है और यह शुष्क वातावरण त्वचा को प्रभावित करता है। जिससे सोरायसिस के लक्षण जैसे खुजली जलन और सूजन बढ़ जाते हैं। जब तापमान गिरता है तो रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है इससे त्वचा में रक्त का संचार धीमा हो जाता है। इसके कारण त्वचा में नमी और पोषक तत्वों की आपूर्ति कम हो जाती है। इससे भी सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।
सर्दियों में धूप की कमी हो जाती है जबकि विटामिन डी त्वचा के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इसकी कमी से सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।
अक्सर ठंड से बचने के लिए लोग गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन गरम पानी त्वचा को और अधिक शुष्क बना सकता है। इससे त्वचा में रूखापन आ जाता है और सोरायसिस के लक्षण बिगड़ जाते हैं।
सर्दियों में हम गर्म कपड़े पहनते हैं, जब ऊनी और गर्म कपड़े सीधे शरीर के संपर्क में आते हैं तो त्वचा में फ्रिक्शन बढ़ती है और यह खुजली का कारण बनता है, जिससे सोरायसिस उत्तेजित हो जाता है।
सर्दियों के मौसम में इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है इसके कारण भी सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।

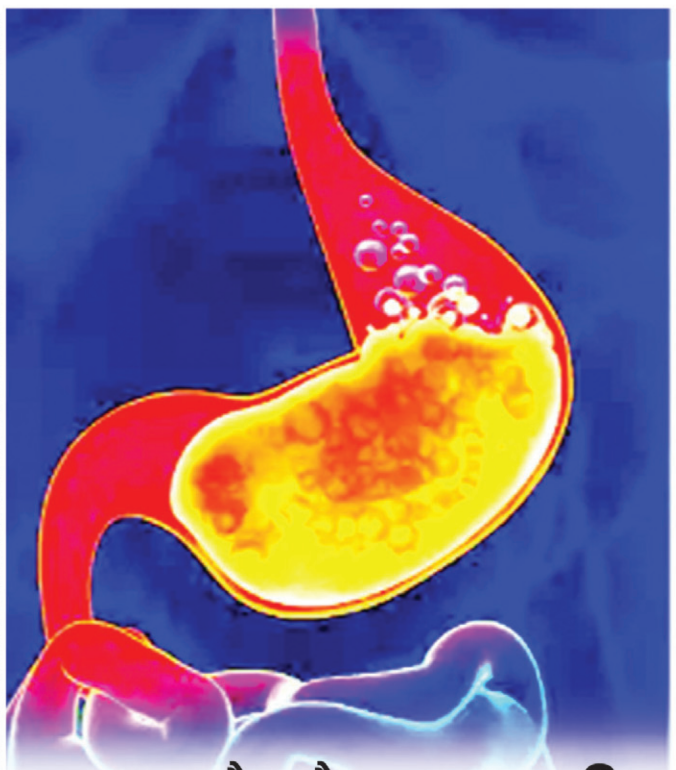

शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती है गैस और एसिडिटी की दवाएं

अगर आप गैस और एसिडिटी जैसी समस्या के लिए दवाएं खा रहे हैं, तो इसे एकदम बंद कर दें, यह शरीर के पोषक तत्वों को खत्म कर सकती हैं।

एसिडिटी और गैस बनना आम समस्याएं हैं, जिनसे रोजाना बहुत से लोग परेशान रहते हैं। अगर आप इससे राहत पाने के लिए पैन्टोजेन जैसी कोई दवाएं ले रहे हैं, तो आप बड़ी गलती कर रहे हैं। इनके अधिक सेवन से आपके शरीर में विटामिन बी12, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन डी सहित कई सारे पोषक तत्वों की कमी आ सकती है जिससे शरीर में इनके कई प्रभाव देखने को मिलते हैं। इन दवाओं के अधिक सेवन से शरीर में कमजोरी होना, थकान, कमजोरी और ऊर्जा की कमी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। अगर आप एसिडिटी सहित पेट की अन्य समस्याओं जैसे अपच, सीने में जलन, एसिड रिफ्लक्स, कब्ज, पेट फूलना आदि से राहत पाना चाहते हैं, तो आपको दवाओं पर डिपेंड होने की बजाय कुछ घरेलू उपाय आजमाने चाहिए।

एसिडिटी के लक्षण

- सीने में जलन होना, खासकर खाने के बाद, जो रात में या लेटते समय बदतर हो सकती है
- भोजन या खट्टे तरल पदार्थ वापस आना
- ऊपरी पेट या सीने में दर्द
- निगलने में परेशानी
- पेट फूलना और भारीपन

कच्चा जीरा है एसिडिटी का तगड़ा इलाज

एसिडिटी से राहत पाने के लिए आप जीरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप खाने से पहले थोड़ा सा कच्चा जीरा चबाएं और थोड़ा गुनगुना पानी पी लें, जब तक वो चबना जाए।

ठंडा दूध

बहुत थोड़ी मात्रा में ठंडा दूध लें और उसमें आधा चम्मच गुलकंद मिक्स कर दें। इस मिश्रण को लेने से आपको एसिडिटी को बिना दवाओं के ठीक करने में मदद मिल सकती है।

एंटासिड से हो जाएं सावधान

सुबह खाली पेट एसिड की दवाएं लेना आपकी सेहत को बर्बाद कर सकता है। बाजार में एंटासिड दवाएं धड़ल्ले से बिक रही हैं जोकि आपकी सेहत के लिए खतरनाक हैं।

आपको डॉक्टर के पास कब जाना चाहिए

अगर आपको यह उपाय आजमाने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा और लक्षण बिगड़ते जा रहे हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसके अलावा आपको सांस लेने में तकलीफ हो, या जबड़े या बांह में दर्द हो रहा है, तो सावधान रहें क्योंकि यह दिल का दौरा पड़ने के संकेत और लक्षण हो सकते हैं।

आंतों से जुड़ी एक गंभीर समस्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस

अल्सरेटिव कोलाइटिस आंतों से जुड़ी एक गंभीर समस्या है जो आगे चलकर कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। आइए जानते हैं इसके कारण, लक्षण क्या होते हैं। खराब जीवनशैली के कारण आंतों से जुड़ी कई तरह की समस्या देखने को मिल रही है, इनमें से एक है अल्सरेटिव कोलाइटिस, यह एक क्रोनिक बीमारी है,जिससे जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। आइए जानते हैं इसके लक्षण और कारण क्या होते हैं।

क्या है अल्सरेटिव कोलाइटिस?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अल्सरेटिव कोलाइटिस एक गंभीर समस्या है, जिसमें बड़ी आंत यानी कि कोलन में सूजन हो जाती है और अल्सर हो जाता है। इसे इन्फ्लेमेटरी बॉवेल डिजीज के नाम से भी जाना जाता है। आमतौर पर यह बीमारी मलाशय को प्रभावित करती है। समय के साथ यह पूरे कोलन को भी प्रभावित कर सकती है। अल्सरेटिव कोलाइटिस छोटी आंतों को भी प्रभावित करता है। यह बीमारी किसी भी उम्र में शुरू हो सकती है। पहले तो यह धीरे-धीरे विकसित होती है, इसके बाद इसके लक्षण गंभीर होते हैं। इसके कारण इम्यूनिटी बुरी तरह से खराब हो जाती है। यह कोलन कैंसर का कारण भी बन सकता है। बीमारी का सटीक कारण अब तक मालूम नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे कारण है जो इसकी विकास में भूमिका निभा सकते हैं।

अल्सरेटिव कोलाइटिस के कारण

- डाइट
- जेनेटिक म्यूटेशन
- स्मोकिंग

अल्सरेटिव कोलाइटिस के लक्षण

- डायरिया
- बेली पेन
- बार बार मोशन पास करने की इच्छा
- वजन कम होना
- मलाशय से खून आना
- बुखार होना
- सीवर डिहाइड्रेशन
- बोन लॉस

पेट में रुक-रुकर हो रहा दर्द तो नजरअंदाज न करें...

कोलन कैंसर खतरनाक हो गया है और अब 50 साल से पहले ही शिकार बना सकता है। इसके कुछ लक्षणों को हल्के नहीं लेना चाहिए, जिसमें पेट दर्द भी शामिल है। पेट दर्द के पीछे कोलन कैंसर भी वजह हो सकता है। आइए इसके शुरुआती लक्षणों के बारे में जानते हैं।
जीवनशैली और पर्यावरण हमारे शरीर पर हर पल असर करता रहता है। इनकी क्वालिटी खराब होने पर कई बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। युवाओं में कोलन कैंसर निकलना भी इसी का एक परिणाम है। डॉ. ने बताया कि हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि 50 वर्ष से कम उम्र के एडल्ट्स में कोलन कैंसर का रेट काफी तेजी से बढ़ा है। हालांकि इस बढ़ोतरी के पीछे के कारणों की अभी भी जांच की जा रही है, मगर जीवनशैली में बदलाव, आहार, आनुवंशिकी और पर्यावरणीय प्रभाव जैसी चीजों पर शक किया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से कोलन कैंसर के संकेतों के बारे में पता होना बहुत जरूरी है। डॉ. के अनुसार पेट में क्रोनिक या रुक-रुकर हो रहा दर्द, ऐंठन या दर्द महसूस हो रहा हो तो नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह दिक्कत कोलन के अंदर हो रही समस्याओं का संकेत हो सकती है।

बावेल हैबिट में बदलाव

बावेल हैबिट में होने वाले बदलाव पर ध्यान दें। लगातार दस्त, कब्ज या मल में बदलाव आदि कोलन कैंसर के शुरुआती चेतावनी संकेत हो सकते हैं।

मलाशय से खून निकलना

मल में रक्त या मलाशय से रक्तस्राव एक चिंताजनक लक्षण है जिसके लिए तुरंत चिकित्सा की जरूरत होती है। इसे बवासीर जैसी छोटी समस्याओं से अलग करना महत्वपूर्ण है।

बेवजह वजन घटना

बिना किसी साफ कारण के अचानक वजन घटना कोलन कैंसर के लिए एक खतरे का संकेत हो सकता है, क्योंकि यह कैंसर के विकास के बारे में बताता है।

थकान और कमजोरी

लंबे समय से थकान और कमजोरी की सामान्य भावना जब ऊपर बताए किसी लक्षण के साथ हो तो किसी खतरे की चेतावनी हो सकती है।

जोखिम बढ़ने के कारण

पारिवारिक इतिहास, आहार और जीवनशैली में अस्वस्थ बदलाव, मोटापा व अधिक बीएमआई और क्रॉनिक बीमारी इसका जोखिम बढ़ा सकती हैं।

शुरुआती जांच और स्क्रीनिंग

युवा वयस्कों में कोलन कैंसर की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, इसका शीघ्र पता लगाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इसके लिए लक्षण दिखने या खतरा महसूस होने पर कोलोनोस्कोपी, स्टूल टेस्ट और सीटी कोलोनोग्राफ़ी की जा सकती है।

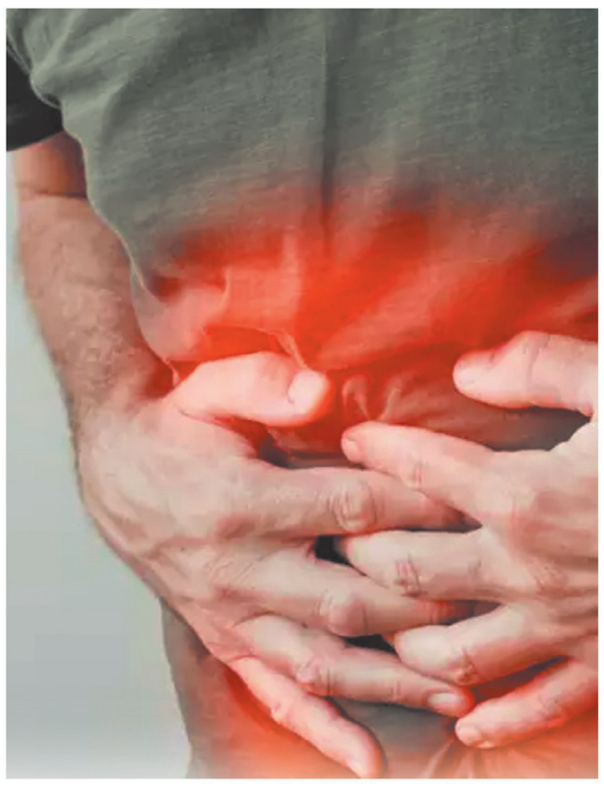

हाई कोलेस्ट्रॉल की छुट्टी कर देंगे 3 हेल्दी ब्रेकफास्ट

शरीर में अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसे डाइट में सुधार करके, एक्सरसाइज और अन्य तरीकों से कम किया जा सकता है। आइए जानें कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए सुबह क्या खाना चाहिए।

हाई कोलेस्ट्रॉल आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। जो खराब लाइफस्टाइल, खानपान की खराब आदतों, स्मोकिंग, शराब पीने, मोटापा, कम फिजिकल एक्टिव रहने समेत अन्य वजहों से हो सकती है। दुनियाभर के तमाम देशों में लोग बड़ी संख्या में हाई कोलेस्ट्रॉल से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिका में करीब 71 मिलियन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल है, जबकि भारत में लगभग 31 फीसदी लोग इस प्रॉब्लम का सामना कर रहे हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल तब होता है जब खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बहुत ज्यादा हो जाती है। आमतौर पर, कुल कोलेस्ट्रॉल 200 mg/dL या उससे अधिक हो जाता है तो इसे हाई कोलेस्ट्रॉल माना जाता है। वहीं, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर कोलेस्ट्रॉल हाई हो जाए तो हार्ट अटैक, हार्ट डिजीज, फैटी लिवर और स्ट्रोक जैसी समस्याएं होने के चांसेस बढ़ जाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि हाई कोलेस्ट्रॉल को कुछ दवाओं, एक्सरसाइज, हेल्दी वेट मैनेज करके और डाइट में सुधार करके कम किया जा सकता है। आज हम आपको 3 ऐसे हेल्दी ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके सेवन से आप अपने बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं।

क्या होता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल शरीर में पाया जाने वाला एक मोम जैसा पदार्थ होता है। जो शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है। कोलेस्ट्रॉल दो तरह के होते हैं, गुड कोलेस्ट्रॉलऔर बैड कोलेस्ट्रॉल। शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल का कम होना और बैड कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना दोनों ही घातक हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल में कौन सा ब्रेकफास्ट करें

अगर बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करना है तो जरूरी है कि आज ही आप अपने खानपान की आदतों में बदलाव लाएं। जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड को छोड़ने के साथ ही हेल्दी चीजों को डाइट में शामिल करें। बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए एक मशहूर डाइटिशियन ने बेस्ट ब्रेकफास्ट आइडियाज शेयर किए हैं। उनमें से हम आपको 3 बेस्ट ब्रेकफास्ट के बारे में बताने जा रहे हैं।

होल ग्रेन टोस्ट

खुशी की बात ये है कि अगर आपको होल ग्रेन टोस्ट पसंद है तो हाई कोलेस्ट्रॉल में आप उसे खाना जारी रख सकते हैं। जी हां, डाइटिशियन ने अपनी कोलेस्ट्रॉल कम करने वाले ब्रेकफास्ट की लिस्ट में होल ग्रेन टोस्ट को भी शामिल किया है। उन्होंने बताया कोलेस्ट्रॉल को घटाने के लिए होल ग्रेन टोस्ट को आप पीनट बटर और बेरीज का सेवन कर सकते हैं।

सारडो विद स्मोक्ड सैल्मन

अगर आप नॉनवेज खाना पसंद करते हैं तो अपनी सुबह की मील में आप सारडो के साथ स्मोक्ड सैल्मन खा सकते हैं। दरअसल, सैल्मन मछली में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है।

ग्रीक योगर्ट

इसके अलावा हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए एक और टेस्टी ब्रेकफास्ट को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। ये है ग्रेनोला, अखरोट और होममेड जैम के साथ ग्रीक योगर्ट। इनमें ऐसे कई गुण मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को घटाने में आपकी मदद करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने मड़वा धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज मड़वा स्थित धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी समितियों में आगामी 7 खरीदी दिवस के जारी टोकन का विवरण संबंधित पटवारी, आरएईओ प्राप्त करेंगे। राजस्व और कृषि विभाग की टीम जारी टोकन में दूसरे और तीसरे टोकन का शत-प्रतिशत सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही धान खरीदी केंद्र में धान पहुंचते ही उसकी रजिस्टर में विधिवत एंट्री दर्ज की जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे। कलेक्टर श्री महोबे ने खरीदी केंद्र में उपस्थित किसानों से संवाद कर टोकन व्यवस्था, धान तौल, भुगतान प्रक्रिया एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों से धान की खरीदी पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने आवंटित उपार्जन केंद्रों में साप्ताहिक आबंटित पी.वी. (भौतिक सत्यापन) अनिवार्य रूप से पूर्ण करें तथा उसकी रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करें। साथ ही धान के अलग अलग किस्म के आधार पर स्टैकिंग निर्धारित मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू, सीसीबी नोडल अधिकारी श्री अमित साहू, श्री विनय पटेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मल्दा में भव्य नाग लीला एवं कृष्ण लीला और मेला महोत्सव 19 से

बिर्रा। जनपद पंचायत जैजैपुर के अंतर्गत मां कंकालिन की पावन धरा गौरव ग्राम पंचायत मल्दा के रामसागर डोंगिया तालाब में 19 जनवरी दिन सोमवार को श्री कृष्ण रासलीला मंडली समिति मल्दा के तत्वाधान में भव्य नागलीला एवं मेला महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में गौरव ग्राम पंचायत मल्दा के समाज सेवक उत्तम कुमार कश्यप ने बताया कि नाग लीला मेला महोत्सव का शुभारंभ 19 जनवरी दिन सोमवार को किया जाएगा। नाग लीला प्रत्येक दिन दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रामसागर डोंगिया तालाब में कार्यक्रम होगा। रात्रि कालीन में प्रत्येक दिन रात्रि 8:00 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक श्री कृष्ण लीला का आयोजन भी रखा गया है। यह लगातार 25 जनवरी दिन रविवार तक चलेगा। जिसकी आवश्यक तैयारियां समस्त ग्राम वासियों के द्वारा की जा रही है।

एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीकृत किसानो के विवरण संशोधन की समय-सीमा बढ़ी

जांजगीर //समय दर्शन //छ.ग. शासन द्वारा किसानों की मांग को ध्यान मे रखते हुये एकीकृत किसान पोर्टल पर उनके विवरण संशोधन करने हेतु समय सीमा को 07 जनवरी 2026 तक बढ़ाये जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए है। शासन द्वारा जारी पत्र के अनुसार कैरी फारवर्ड, डुबान /वन पट्टाधारी किसानो के पंजीयन का प्रावधान 15 दिसम्बर 2025 तक की समय सीमा के लिये समिति के लागिन मे किया गया था। वर्तमान मे एकीकृत किसान पोर्टल मे किसानो की सुविधा के दृष्टिगत समिति लागिन मे किसानो के पंजीयन विवरण को विवरण संशोधन का प्रावधान 07 जनवरी 2026 तक समस्त सेवा सहाकरी समितियों की समिति लागिन मे दिया गया है। किसान भाई निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवा सहकारी समितियों के समिति प्रबंधको से संपर्क कर अपने पंजीयन विवरणो मे सुधार कार्य करवा सकते है। उप संचालक कृषि जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

पत्रकार साथियों एवम उनके परिजनों के लिए 4 जनवरी को नि :शुल्क स्वास्थ्य मेगा कैंप का आयोजन

डा. गौरीशंकर कश्यप की स्मृति में संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर का आयोजन

जांजगीर चांपा। संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर की ओर से 4 जनवरी 2026 को निशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन डॉ. गौरीशंकर कश्यप जी की स्मृति में किया गया है, संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल जांजगीर के संचालक डॉ लोकेन्द्र कश्यप ने बताया की जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप के मुख्य आतिथ्य में जांजगीर चांपा जिले के समस्त पत्रकार बंधु (इलेक्ट्रॉनिक एवम प्रिंटिंग, वेब मीडिया) एवम उनके परिजनों के लिए यह विशेष स्वास्थ्य मेगा कैम्प आयोजित है। जो की पूर्ण रूप से निशुल्क होगा एवं इस मेगा हेल्थ कैंप में आने वाले लोगों को ब्लड

प्रेशर,ईसी जी, 2ष्ठ एको,ब्लड सुगर यूरिन टेस्ट, HBAvC, O&ygen saturation/BMI,CBC/serum creatinine/Cholesterol/ टी.एम.टी. (ट्रेड मिल टेस्ट), डेन्टल चेक अप सहित विभिन्न प्रकार की जांच की सुविधा निशुल्क प्राप्त होगी। इस मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन संजीवनी हार्ट केयर एंड मल्टी स्पेलिस्ट हॉस्पिटल, जांजगीर में दिनांक: 4 जनवरी 2026 दिन-रविवार को समय: सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया गया है।

हेल्थ चेकअप कैंप में मिलेगी इन चिकित्सा विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं- 4 जनवरी को आयोजित मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. वसुंधरा कश्यप (सीनियर डेंटल सर्जन), डॉ. अतीक सिद्धिकी (जनरल फिजिशियन), डॉ. गुल्फ़ासा सिद्धिकी (स्त्री रोग सलाहकार),

डॉ. पारुल राठौर (जनरल फिजिशियन), डॉ. निकिता सिंह (जनरल फिजिशियन) की प्रमुख रूप से सेवाएं मिलेंगी, तथा मेगा हेल्थ चेकअप कैंप से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर- 8839174441/8169143064 पर संपर्क कर संपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है

शिविर में आंखों की भी होगी निशुल्क जांच- 4 जनवरी को आयोजित मेगा हेल्थ चेकअप कैंप में जांजगीर चांपा जिले के प्रतिष्ठित जानू चश्मा घर द्वारा आगंतुक लोगों के आंखों की निशुल्क जांच की जाएगी तथा आंखों की सुरक्षा से संबंधित परामर्श भी दिया जाएगा

डॉ. लोकेंद्र कश्यप ने की नागरिकों से अपील- प्रसिद्ध मेडिसिन विशेषज्ञ डॉक्टर लोकेंद्र कश्यप ने समस्त पत्रकार बंधुओ और उनके परिजनों से अपील की है कि 4 जनवरी के इस निशुल्क मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का लाभ जरूर लें, इस कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधाएं लोगों के लिए नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी।

करसा प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों हेतु 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पाटन। जनपद पंचायत पाटन के ग्राम करसा में आज प्रोजेक्ट उन्नति के अंतर्गत मनरेगा श्रमिकों एवं ग्रामीण महिलाओं /पुरुष को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 30 दिवसीय रूरल मेसन (राजमिस्त्री) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी, दुर्ग द्वारा जनपद पंचायत पाटन के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसमें कुल 35 प्रतिभागी शामिल हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 100 दिवस कार्य पूर्ण कर चुके श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण हेतु कुशल राजमिस्त्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल शुरू की गई है। कार्यक्रम का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग श्री बजरंग कुमार दुबे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर श्रीमती अनीता चारभे द्वारा ईंट-पत्थर चिनाई, प्लास्टरिंग, टाइल एवं फर्श बिछाना, छत ढलाई, कंक्रीट मिश्रण, वॉटरप्रूफिंग तथा निर्माण कार्य से संबंधित सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की जा रही है। यह प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं को तकनीकी दक्षता प्रदान कर उन्हें स्वावलंबन एवं स्वरोजगार की ओर अग्रसर करेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कुशल राजमिस्त्रियों की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे आवास निर्माण की गुणवत्ता एवं गति दोनों में सुधार होगा। यह पहल प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों को भी और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।अकुशल श्रमिको के आधार पर 30 दिवस मजदूरी राशि भी जारी किया जावेग

आरसेटी की भूमिका- बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), दुर्ग भारत सरकार समर्थित प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण युवाओं को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर कौशल विकास, उद्यमिता तथा वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देता है।

ग्राम पऊवारा में 35 युवाओं हेतु संचालित यह प्रशिक्षण 11 दिसम्बर 2025 से आरंभ हुआ है तथा आरसेटी निदेशक श्री गुलशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। प्रशिक्षण अवधि में सभी प्रतिभागियों को नि:शुल्क ड्रेस, टूलकिट एवं भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।
यह पहल ग्रामीण युवाओं को कुशल और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा कुशल भारत से सशक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी।

नए वर्ष के दूसरे ही दिन तीन अलग अलग सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

बालोद। नए साल के पहले दिन यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा अभियान की शुरुआत की और जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाई वहीं नए साल के दूसरे ही दिन शुक्रवार को जिले में तीन अलग अलग सड़क हादसे हुए जिसमें तीन लोगों की जान चली गई जबकि पांच लोग घायल हो गए । घायलों में एक ही हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी अनुसार पहला हादसा पुरुर थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 30 में एक ढाबा के सामने हुआ जहां एक बस चालक ने लापरवाही पूर्वक बस चलाते हुए साइकिल सवार व्यक्ति को अपने चपेट में लिया और बेकाबू होकर ढाबा के सामने पेड़ से टकरा गया। गनीमत रही कि बस में बैठे दर्जन भर से अधिक यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं वहीं साइकिल सवार व्यक्ति हटकेशर वार्ड धमतरी निवासी महेंद्र रावटे घायल हो गया जिसका इलाज जारी है। दूसरी घटना डौंडी ब्लॉक के घोटिया गांव के पास दो मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हो गई। तेज रफ्तार पल्सर और स्प्लेंडर प्लस गाड़ी में आमने सामने टक्कर होने से पल्सर

सवार पीछे बैठे पल्लेकसा निवासी नागेश भुआर्य की मौत हो गई और चालक घायल हो गया तथा स्प्लेंडर चालक मड़ियाकट्टा निवासी हेमलाल की मौत हो गई है वहीं उनके दो बच्चे घायल हो गए। तीसरी घटना नागाडबरी के पास हुआ जहां बाइक सवार दो युवकों को एक अज्ञात वाहन ठोकर मार कर फरार हो गया । हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा युवक ग्राम सुर्रा निवासी हरिशंकर की हालत नाजुक बताई जा रही है। तीनों सड़क हादसा लापरवाही और तेज गति के चलते हुई है। हालांकि यातायात पुलिस लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है लेकिन चालकों की लापरवाही के चलते हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण को कंबल अर्पित, भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण

पौष पुत्रदा एकादशी पर गहिरा गुरु धाम में श्रद्धा व सेवा का संगम

दुर्ग। पौष पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर गहिरा-गुरु धाम यादव सांस्कृतिक भवन में श्रद्धा और सेवा से परिपूर्ण धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर ठंड से बचाव के भाव से गोवर्धनधारी जगतगुरु भगवान श्रीकृष्ण को कंबल अर्पित किया गया। यह पुण्य कार्य दुर्ग सांसद की धर्मपत्नी श्रीमती रजनी विजय बघेल द्वारा यादव समाज की महिलाओं के साथ किया गया।

कार्यक्रम के दौरान गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, दुर्ग की सचिव श्रीमती सुभद्रा साहू ने राज्य शासन द्वारा संचालित गौ धाम योजना को मातृ संस्था को प्रदान किए जाने हेतु आवेदन पत्र सांसद के नाम से प्रेषित किया।
पुत्रदा एकादशी की पावन बेला में विधि-विधान से पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन के पश्चात श्रीफल, मेवा एवं मिष्ठान अर्पित कर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, दुर्ग की संरक्षिका श्रीमती रजनी विजय बघेल के साथ समिति की अध्यक्ष श्रीमती करूणा यादव, उपाध्यक्ष श्रीमती अंजू यादव, सचिव श्रीमती सुभद्रा साहू, संगठन मंत्री श्रीमती गोदावरी ठाकुर, कोषाध्यक्ष श्रीमती दीपाली यादव, उप-कोषाध्यक्ष श्रीमती वर्षा रितु यादव सहित अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ समाजसेवी ललित अग्रवाल, वार्ड क्रमांक 23 के पार्षद मनोज सोनी, छत्तीसगढ़ कोसरिया अहीर यादव सेवा समाज युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव, गहिरा गुरु राजेश यादव सहित समाज की अनेक महिलाएं एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन में बड़ी संख्या में महिला सदस्यों व पदाधिकारियों ने सहभागिता कर धार्मिक, सामाजिक समरसता और सेवा भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम को उपस्थित जनसमुदाय ने अत्यंत सराहनीय बताया।

ग्राम नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ मे 17/ 18 जनवरी 2026 को होने वाले दो दिवसीय भव्य मंड़ई मेला समाजिक समरसता सम्मान समारोह एवं भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता मे सभी अतिथियो का आना तय

अहिवारा (समय दर्शन)। न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छग के तत्वाधान में होने वाले दो दिवसीय भव्य मंड़ई मेला समाजिक समरसता सम्मान समारोह एवं भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता मे सभी अतिथियों का आना तय हो गया है जिसके लिये सुरक्षा का विशेष ध्यान देते हुये श्री मान थाना प्रभारी महोदय थाना नंदिनी नगर तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ को दो दिन के लिये अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कराने के लिये पहले से सूचना दे दी गई है

प्रथम दिवस 17 जनवरी 2026 दिन शनिवार को

मुख्य अतिथि-- श्री दिनेश चतुर्वेदी जी (संस्थापक भीम रेजीमेंट छग) ,

विशेष अतिथि श्री हेम लाल चतुर्वेदी जी (स्टार गायक) , श्री योगेश टंडन जी , डॉ देवेश डहरीया जी MBBS आदि होंगे। 18 जनवरी 2026 दिन रविवार को भव्य मंड़ई मेला समाजिक समरसता एवं सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है

जिसके मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब जी (कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री छग शासन) अध्यक्षता राजमहंत डोंमन लाल कोर्सेवाडा जी (उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छग शासन) अतिविशेष अतिथि श्री ईश्वर साहू जी (विधायक

साजा विधान सभा क्षेत्र) श्री मति सरस्वती बंजारे जी (अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग) श्री मति ऊषा सोनवानी जी (सद्स्य जिला पंचायत दुर्ग) श्री सतीश साहू जी (विधायक प्रतिनिधि अहिवारा) श्री नटवर ताम्रकार जी (भिलाई जिला अध्यक्ष) श्री मति खुशबु यादव जी (सरपंच) श्री मति मंजू पाटिल (जनपद सद्स्य) आदि का दोनो दिन आना तय हुआ है ग्राम नंदिनी खुंदिनी के ग्रामवासी कें मन मे खुसी की लहर दौड रही है जिससे न्यू आदर्श युवा संगठन श्री घनश्याम यादव (संरक्षक) श्री देवर्ऋषि घिदोडे (अध्यक्ष) श्री सँजु गायकवाड़ श्री सौरभ गायकवाड़ श्री जसपाल जांगडे (उपाध्यक्ष) श्री संतोष गोलू साहू श्री चितेश महिलाग श्री समीर जांगड़े श्री खिलेश घिदोडे श्री रांधिर घिदोडे श्री सागर घिदोडे श्री हरी शंकर घिदोडे श्री राजेश जांगड़े श्री संजय देशलहरे श्री मोनु घिदोडे श्री भूपेंद महिलांग श्री अजय ड़ेहरे श्री प्रह्लाद गेंड्रे श्री सनिल जाँगड़े श्री धर्मेंद श्री धोनी जांगडे श्री हर्धवर्धन घिदोडे श्री प्रकाश जाँगड़े श्री अमन जांगड़े श्री आयुष पाटिल श्री निखिल चतुर्वेदी श्री सत संतोष साहू जी डॉ सदानंद बक्शी जी डॉ अमित विश्वास जी डॉ चंद्रभुसण पटेल जी श्री पुरूसोत्तम पटेल श्री मनोज पटेल जी श्री भरत पटेल जी श्री सोनी ज्वेलर्श जी श्री घनश्याम पिटू साई आटो जी श्री शंकर जगदीश मदुसुदन पांडे जी श्री तोरण साहू जी श्री पप्पू साहू जी श्री अमर जीत चोवा साहू जी श्री लंकेश ललित तरूण जैन श्री घनश्याम साहू खिल्लू साहू जी श्री वामन साहू जी श्री तारण दास पंच श्री महादेव साहू पंच श्री नीलकंठ पटेल श्री जीतू पाल जी श्री राजेश कुर्रे जी श्री ननदु रात्रे जी श्री संत राम आड़ील जी श्री ईशवर बंजारे जी श्री चंद्र कुमार बलराम विश्वकर्मा श्री इंद्र कुमार बंजारे श्री महेंद बंजारे श्री मनोहर पाल श्री शिव कुमार टंड़न श्री नेहरु बंजारे श्री राकेश कुमार लहरे श्री हिमांशु घिदोडे श्री दिलिप बंजारे श्री गर्जेंद्र साहू श्री राम चंद्र जांगडे श्री हलधर कुर्रे श्री भागीरथी पटेल जी श्री सूरज पटेल श्री शत्रुहन पटेल श्री दाऊ प्रमोद चन्द्रकार जी श्री हरि शंकर ठुम्र द्धद्ध श्री आदि तथा गॉव मे सभी समाज के लिये चौमुखी विकास होगा और भव्य मंड़ई मेला पंथी प्रतियोगिता की भव्य तैयारी चालू हो चूका है अनिल झुला वाले भी आयेगा जिसके लिये मैदान की साफ सफाई पुर्ण हो चुकी है शासन टीवी केमरा के निगरानी पर रखने के लिये चर्चा की गई है

खबर-खास

रेंज स्तरीय ''ऑपरेशन निश्चय'' के तहत गरियाबंद पुलिस द्वारा 9 किलो ग्राम के अवैध गांजा के साथ तस्करो को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। ऑपरेशन निश्चय'' के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज,रायपुर अमरेश मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में रेंज स्तर पर ऑपरेशन निश्चय चलाया जा रहा है।जिसके परिपालन में समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अवैध गांजा,हीरा के साथ वन्य जीवों के तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।इसी तरतम्य में 1 जनवरी को थाना प्रभारी फिंगेश्वर को मुखबीर की सूचना पर दो व्यक्ति एक चार पहिया वाहन स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 04 एच एस 5978महासमुंद रोड से होकर फिंगेश्वर की ओर आ रहे है,इस सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा टीम तैयार कर थाना फिंगेश्वर गेट के सामने नाकाबंदी कर आने-जाने वाले संदिग्ध वाहनों को रोक कर चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान मुखबीर द्वारा बताये निशानदेही एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार महासमुंद रोड से फिंगेश्वर की ओर आते हुए दिखे।जिसे वाहन चेकिंग में लगे पुलिस टीम द्वारा संदेही स्विफ्ट कार को रोक कर पुछताछ करने पर वाहन चालक ने अपना नाम मिथुन नेताम पिता करण सिंह नेताम उम्र 36 वर्ष व कार में बैठे दुसरे व्यक्ति ने अपना नाम योगेश कुमार ठाकुर पिता दिनेश कुमार उम्र 31 वर्ष जाति गोंड निवासी उसलापुर वार्ड नं. 15 थाना खम्हरिया जिला बेमेतरा (छ.ग.) का होना बताया गया। संदेहियों व कार की तलाशी के दौरान पीछे डिग्गी में रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी के अंदर हरा रंग के झिल्ली में रखा हुआ 9 पैकेट गांजा मादक पदार्थ बरामद किया गया। उक्त अवैध गांजा मादक पदार्थ को समक्ष गवान के तौल करवाने पर 9 किलो ग्राम होना पाया गया।उक्त गांजा की कीमती 4 लाख 45 हजार रूपये व घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक सीजी 04 एच एस 5978 को समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। आरोपियों का उक्त कृत्य अपराध धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट का पाये जाने से थाना फिंगेश्वर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपी मिथन नेताम एवं योगेश कुमार ठाकुर को समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

झपटमारी(चैन स्नेचिंग) के मामले में दो महिलाओं को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है, कि दिनांक 01/01/2026 को प्रार्थी अनुज कुमार पिता स्व0 प्रताप सिंह मांझी उम्र 40 वर्ष,निवासी काण्डेकेला,थाना अमलीपदर ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह अपनी मां लीलाबाई मांझी को साथ लेकर जतमई धाम दर्शन करने आया था। दर्शन दौरान दो अज्ञात महिलाओ के द्वारा उसकी मां के गले में पहने एक लाल रंग की क्रिस्टल मोती माला में लगे सोने की तीन नग पत्ती जिसकी कीमती 35,000 रूपया को अचानक झपटमारी (चैन स्नेचिंग) कर भाग गई।इस रिपोर्ट पर थाना छुरा में अज्ञात महिलाओ के विरूद्ध अपराध क्रमाक 01/2026 धारा 304(2),3(5) बीएनएस. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा प्रकरण के आरोपियों की शिघ्र गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया गया।

देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे तेजी से उभरता छत्तीसगढ़ - शेखावत

स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत 146 करोड़ रूपए की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर भूमिपूजन

बोड़ला से भोरमदेव तक सड़क उन्नयन की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

कवर्धा। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 1 जनवरी 26 को स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपए की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। योजना के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। उन्होने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है। इस संकल्प के साथ हम सब लोग ऐसा भरोसा और विश्वास दिलाते हुए आप सबको बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने।

केंदीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगी। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है।

छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चौड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक हजार साल पुराने बाबा भोरमदेव के मंदिर विकास हेतु आज भूमिपूजन हुआ है जो बहुत ही हर्ष की बात है। सावन के महीने में यहां हजारों की संख्या श्रद्धालु कावड़िये अमरकंटक से माता नर्मदा का जल लेकर बाबा भोरमदेव का जलाभिषेक करते हैं जिनका स्वागत करने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा के साथ मैं भी आया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शासन ने हर वर्ग के विकास के लिए निरन्तर कार्य किया जा रहा है। कवर्धा के जंगलों में वास करने वाले राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के बैगा जैसे प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों के लिए शासन द्वारा पीएम जनमन योजना प्रारम्भ की गई है, जिससे अब गांव-गांव तक पक्की सड़कें, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे अनेक योजनाओं का लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। वहीं उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 57 मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रारम्भ किए गए हैं, जिनमें एंबुलेंस के साथ में डॉक्टर एवं नर्स सहित पूरा तकनीकी स्टाफ भी उपलब्ध रहेगा जो घर घर जाकर लोगों का उपचार करेगा।

सीईओ जिला पंचायत प्रखर चंद्राकर ने किया एफएसटीपी प्लांट का निरीक्षण

फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांटः गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता - सीईओ चंद्राकर

गरियाबंद। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्रामीण स्वच्छता को सुदृढ़ करने हेतु निर्माणाधीन संरचनाओं का निरीक्षण करने जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर आज डोंगीगांव पहुंचे। उन्होंने फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट सहित विभिन्न विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण कर प्रगति एवं गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया। सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता मिशन के तहत निर्मित सभी परिसंपत्तियों का संचालन दीर्घकालिक उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि एफएसटीपी प्लांट का सुचारू संचालन ग्रामीण स्वच्छता प्रणाली की स्थायित्व और प्रभावशीलता के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्था, मानव संसाधन और रखरखाव की तैयारी समय पर पूरी की जानी चाहिए। उन्होंने जनपद पंचायत के सीईओ के.एस.नागेश को समन्वित प्रयास करते हुए संचालन व्यवस्था को मजबूत बनाने,सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा ग्रामीणों को स्वच्छता संबंधी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें,इसके लिए विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें।उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

स्कूली बच्चों से बर्तन सफाई

गरियाबंद। स्कूलों में बच्चों से बर्तन सफाई और झाड़ू पोछा जैसे कार्यों की घटना कई सरकारी स्कूलों में छात्रों से बर्तन धोने और सफाई जैसे कार्य कराए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। यह प्रथा शिक्षा के अधिकार अधिनियम के उल्लंघन के रूप में देखी जाती है,क्योंकि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से श्रम कराना अवैध है।हालिया वायरल मामले में ब्लाक के एक स्कूल के एक परिषदीय स्कूल में बच्चों द्वारा झूठे बर्तन धोते फोटो खींचने के बाद विवाद बढ़ा है जो स्कूल स्टाफ में अखाड़ा बन गया है,जिसके चलते स्कूल स्टाफ एक दूसरे पर दोषारोपण कर रहे है,इस विषय में प्रधान पाठक से संपर्क करने की कोशिश किया गया लेकिन उनका नंबर बंद आया।गरियाबंद ब्लाक के ग्राम बेनकुरा पूर्व माध्यमिक शाला में भी कुछ छात्रा द्वारा खाना के बर्तन धोते फोटो सामने आया।कानूनी और सामाजिक प्रभावशिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत स्कूलों में बच्चों का समय पढ़ाई पर केंद्रित रहना चाहिए,न कि घरेलू कार्यों पर,ऐसे फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से अभिभावकों में आक्रोश फैलता है और प्रशासनिक जांच शुरू होती है कि नहीं समय बताएगा वही जागरूकता बढ़ने से अब विभाग तत्काल कार्रवाई करता है। ज्ञात हो कि वर्तमान समय में ग्रामों के रसोइया संघ के द्वारा अपनी मांगो को लेकर हड़ताल पर है जिसके चलते स्कूलों में खाना बनाने और बर्तन साफ करने में काफी परेशानी हो रही है,और स्कूलों के प्रबंधक समिति और स्कूल स्टाफ के सामने ही बच्चे अपने खाने की थाली और खाना बनाने के बड़े बड़े बर्तन की धुलाई और सफाई कर रहे है।ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय से सात किलोमीटर दूर ग्राम बेनकुरा के पूर्व माध्यमिक शाला में गुरुवार को देखने को मिला। ग़ौरतलब है कि रसोइया संघ के द्वारा अपनी मांगो को लेकर हड़ताल किया जा रहा जिसके चलते ग्राम बेनकुरा के पूर्व माध्यमिक शाला में भोजन तो बन रहा है लेकिन खाना बनाने के बड़े छोटे बर्तन के साथ खाने पीने के अन्य बर्तन को स्कूली बच्चों से धोया माँजाया जाता है,जो कि हर नियम के विपरीत है।इस विषय में संकुल प्रभारी से बात करने पर उन्होंने कहा कि रसोइया संघ हड़ताल पर है समूह के बोलने पर बर्तन साफ कराया जा रहा है,बच्चों को वही के एक शिक्षक के द्वारा बर्तन धोने बोलकर फोटो खींचा गया है।वही पूर्व माध्यमिक शाला के हेडमास्टर को जानकारी के लिए फोन लगाए लेकिन उनका फोन बंद था।वही विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्कूली बच्चों से पढ़ाई के अलावा कोई भी कार्य नहीं कराना है,अगर बर्तन साफ कराए है तो ये संस्था प्रमुख की जवाबदारी होगी।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई
निविदा सूचना

क्र. / वाहन / न.नि./2025/1001/373 भिलाई, दिनांक 02/01/2026

आयुक्त, नगर पालिक निगम, भिलाई की ओर से निर्माात्री संस्थान / अधिकृत संधारणकर्ता/ स्थानीय संधारकर्ता से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	निविदा लागत (रुपये में)	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि
1	वाहन क्र. CG07/N/0297 (जे.सी.बी.) का संधारण कार्य।	1,25,895.00	23/01/2026

टीप :- नियम शर्तों एवं मापदण्ड की जानकारी कार्यपालन अभियंता (वाहन) के कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम भिलाई की बेबसाईट www.bhilainagarnigam.com संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.com eproc.cgstate.gov.in से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

कार्यालय नगर पालिक निगम दुर्ग
नामांतरण सूचना विज्ञप्ति क्रमांक 26 वर्ष 2025-26

सर्व साधारण को सूचना दी जाती है कि छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के अंतर्गत निम्नालिखित व्यक्तियों के उनके नाम के सामने भुमि/भवन स्वामित्व परिवर्तन हेतु आवेदन किया है।

संबंधित हित वाले व्यक्ति सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। समयावधि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्रं	ना.प्र. क्र.	क्रेता का नाम	विक्रेता का नाम	वार्ड क्रमांक	नाम परिवर्तन का आधार जिस पर दावा/आपत्ति की जाती है
962	962	गुप्रेश्वर कुमार देवांगन/ स्व. नाथुराम देवांगन	नाथुराम देवांगन/ स्व. केदार नाथ देवांगन, त्रिलोक कुमार देवांगन/ स्व.नाथुराम देवांगन	वार्ड क्र.19 शहीद भगत सिंह (दक्षिण) दुर्ग	बंटवारा नामा
963	963	सिद्धांत ताम्रकार/ स्व. हितेन्द्र कुमार ताम्रकार,अदिति ताम्रकार/ स्व.हितेन्द्र कुमार ताम्रकार, सीता बाई ताम्रकार/ स्व. हितेन्द्र कुमार ताम्रकार	हितेन्द्र कुमार ताम्रकार/सुदामा प्रसाद ताम्रकार	वार्ड क्र.09, स्वामी विवेकानंद वार्ड दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका
964	964	रितिका आर्चाय/ऐश्वर्य आचार्य	गणेशा राम सुतार/पदमराम सुतार	वार्ड क्र.59 कातुलबोर्ड,दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
965	965	चेतना चंद्राकर/धनेन्द्र चंद्राकर,धनेन्द्र चंद्राकर/ गणेश राम चंद्राकर	सुयश बिल्डकॉन विश्वास गुप्ता/ अशोक गुप्ता	वार्ड क्र. 54,पोटियाकला (दक्षिण) दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
966	966	विवेक कुमार शार्वा/ प्रीतम कुमार सार्वा	प्रीतम कुमार सार्वा/आनंद राम शार्वा	वार्ड क्र. 53,पोटियाकला (उत्तर) दुर्ग	दानपत्र
967	967	हेमंत कुमार देशमुख/स्व.डी.एस.देशमुख, देवेन्द्र कुमार देशमुख/ स्व.डी.एस. देशमुख, गजराज देशमुख/ स्व. डी. एस. देशमुख	प्रमोद देशमुख/डी.एस. देशमुख	वार्ड क्र.39, कचहरी वार्ड,दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका
968	968	दानेश्वर यादव/संजय कुमार यादव, रूबल यादव/सतीश यादव, वीर यादव/ विजय यादव	दौलत राम यादव/स्व. जयलाल यादव, बिसा बाई/स्व. दौलत राम	वार्ड क्र.6, ठेठवार पारा, दुर्ग	वसीयतनामा
969	969	लुकेश कुमार सेन/ कन्हैया लाल सेन	कु.आशा नायर/के.जी.नायर	वार्ड क्र.56, बघेरा, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
970	970	सत्यनारायण शर्मा/स्व.रामबिलास शर्मा	मनाराम साहू/ स्व. भुखउ राम साहू	वार्ड क्र.12 मोहन नगर (पश्चिम), दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
971	971	वर्षा शर्मा/भगवती प्रसाद साहू	भगवती प्रसाद साहू/ स्व.राम नारायण साहू	वार्ड क्र.40, सुराना कॉलेज, दुर्ग	उपहार पत्र
972	972	मुकेश कुमार वर्मा/काशी राम वर्मा	आस्था वर्मा/स्व. शिवदयाल वर्मा	वार्ड क्र.59,कातुलबोर्ड, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
973	973	अमित कुमार शर्मा/ स्व. चंद्रिका प्रसाद शर्मा	चंद्रिका प्रसाद शर्मा/ चंदु लाल शर्मा	वार्ड क्र.18,औद्योगिक नगर (दक्षिण) दुर्ग	अध्यक्ष,तृतीय वर्ग शास. वर्ग गृह निर्माण सहकारी समिति मर्या,जवाहर नगर, दुर्ग का आदेश 13.12.2025
974	974	अंकित गुप्ता/स्व.संजय कुमार गुप्ता	सोहन लाल/साबूलाल नेमा/गिरीश नेमा/ स्व. सोहन लाल नेमा एवं अन्य 03	वार्ड क्र.13,मोहन नगर (पूर्व) वार्ड	पंजीकृत बयनामा
975	975	अमीना हिरानी/मोहम्मद अली हिरानी	ओम पार्श्वनाथ डेवलपर्स प्रा.लि. सुरेन्द्र राठी/ लाल चंद जी राठी	वार्ड क्र.35, रामदेव मंदिर वार्ड, दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
976	976	निर्मल आनंद/स्व. प्रवीण आनंद	मेसर्स ए.सी. दास/स्व. आर.सी. दास	वार्ड क्र.24,आमदी नगर वार्ड , दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
977	977	माधुरी शर्मा/नरेश शर्मा	पुनित कुमार जैन/राकेश कुमार जैन	वार्ड क्र.55,पुलगांव दुर्ग	पंजीकृत बयनामा
978	978	शेखर चक्रवर्ती/स्व. शिवपद चक्रवर्ती, समीर चक्रवर्ती/स्व.शिवपद चक्रवर्ती	शिवपद चक्रवर्ती/उपेन्द्र चंद चक्रवर्ती	वार्ड क्र.14, सिकोला बस्ती, दुर्ग	मृत्यु प्रमाण पत्र, फार्म बी। पी ।।
979	979	गट्टा मोहन राजू/स्व.श्री जी.एस.प्रकाश राव	श्री जी.एस.प्रकाश राव/स्व.जी. सोमन्ना	वार्ड क्र.20, शहीद भगत सिंह (उत्तर) दुर्ग	सम्पदा अधिकारी छ.ग.गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग.) का आदेश दिनांक 24.12.2025
980	980	शत्रुहन कुमार सोनी/ स्व. छेदूराम सोनी	उमाबाई शर्मा/ प्रेम वल्लभ शर्मा	वार्ड क्र.5 मरार पारा दुर्ग	नजूल जांच अधिकारी दुर्ग का परित आदेश दिनांक 13.08.2025
981	981	आदित्य नामदेव/ स्व. आकाश नामदेव	राजेश कुमार नामदेव/ स्व. एन नामदेव	वार्ड क्र.23, दीपक नगर दुर्ग	सम्पदा अधिकारी छ.ग.गृह निर्माण मंडल प्रक्षेत्र दुर्ग (छ.ग.) का आदेश दिनांक 17.10.2025

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम,दुर्ग

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :-07749-222370, Email Id :– ee-res.balod@gov.in

(ई–निविदा (Zonal Tender) सूचना द्वितीय बार

क्रमांक/ 17 /व.ले.लि./ ग्रा.यां.से./ 2025–26 बालोद, दिनांक 01.01.2026

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु **जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद ग्रुप (अ) (ब) एवं (स) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर** पर दिनांक 12.01.2026 को ऑनलाईन **निविदा** आमंत्रित की जाती है अतः अमानत राशि सत्यनिष्ठा संधि एवं तकनीकी दस्तावेज स्पीड पोस्ट के माध्यम से इस कार्यालय में दिनांक 13.01.2026 को कार्यालयीन समय अपरान्ह 5.30 बजे तक पहुंचना अनिवार्य है । प्राप्त निविदाओं को दिनांक 14.01.2026 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :–

(1) निविदा राशि रू. 35.00 लाख एवं 30.00 लाख प्रत्येक ग्रुप हेतु
(2) अमानत राशि रू. 35000 एवं 30000.00 प्रत्येक ग्रुप हेतु
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :– रू. 1500/– प्रत्येक ग्रुप हेतु

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 01.01.2026 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है

G-252605779/2

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला–बालोद (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

आरटीई कानून में बदलाव पर विवाद, पैरेंट्स एसोसिएशन ने बताया गैरकानूनी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून में किए गए बदलाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पैरेंट्स एसोसिएशन ने 16 दिसंबर 2025 को जारी आदेश को गैरकानूनी बताते हुए इसका विरोध किया है। इस आदेश के तहत अब निजी स्कूलों में आरटीई के अंतर्गत प्रवेश केवल कक्षा पहली में ही दिए जाने का प्रावधान किया गया है। अब तक वर्ष 2016 से निजी स्कूलों में नर्सरी और केजी-2 कक्षाओं में भी आरटीई के तहत प्रवेश दिया जा रहा था, लेकिन दिसंबर माह में जारी नए आदेश से इस व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। इससे अभिभावकों में असंतोष है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर इस बदलाव को कानून के खिलाफबताया है। उन्होंने कहा कि आरटीई कानून की मूल धारा 12 में स्पष्ट रूप से एंट्री क्लास से प्रवेश देने का प्रावधान है। यानी जिस कक्षा से स्कूल की शुरुआत होती है, उसी कक्षा से आरटीई के तहत बच्चों को प्रवेश दिया जाना चाहिए। पॉल ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश निजी स्कूल नर्सरी कक्षा से शुरू होते हैं। ऐसे में केवल कक्षा पहली से आरटीई प्रवेश का नियम न तो न्यायसंगत है और न ही तर्कसंगत। उन्होंने इस आदेश को निरस्त कर पूर्व की तरह नियमानुसार प्रवेश प्रक्रिया लागू करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया, तो इस मामले में जल्द ही न्यायालय में याचिका दायर की जाएगी।

वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस को किया गया नमन

पाटन। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजन से महाविद्यालय में वीर बाल दिवस मनाया गया। धर्म की रक्षा की खातिर अपने जीवन की परवाह ना करते हुए गुरु गोविंद सिंह जी के पुत्रों बाबा जोरावर सिंघ और बाबा फतेह सिंघ जी के अदम्य साहस को कहानी और शॉर्ट मूवी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच वीर बाल दिवस पर रंगोली , ड्राइंग प्रतियोगिता तथा नाट्य प्रदर्शन का आयोजन हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल ने देश और धर्म रक्षा के लिए सिख समुदाय के प्रयासों को साझा किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी ने माता गुजरी जो गुरु तेग बहादुर जी की पत्नी और गुरु गोविंद सिंघ जी की माता थी की कहानी सुना कर यह बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने पोतों की शहादत सुन कर अपने प्राण त्याग दिए। संपूर्ण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक थानेश्वर साहू, सोनाली, तनुजा, गायत्री, दुर्गेश्वरी , जयरानी, सेवती का सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अधिकारियों कर्मचारियों का सहयोग रहा।

अब तक 3,03,672 .20 मिट्रिक टन धान की हुई खरीदी

दुर्ग। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी में तेजी आ रही है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। जिसके तहत अब दिन-रात कभी भी मोबाईल एप तुंहर टोकन के माध्यम से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन मिलने लगा है। किसानों के लिए यह बड़ी सहुलियत है कि उनके लिए तुंहर टोकन एप अब 24 घंटे उपलब्ध है। अब मोबाईल एप से टोकन काटने के लिए किसी निर्धारित समय की बाध्यता नही है। धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 71,990.45 लाख रूपए की लागत से 3,03,672.20 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 56830 किसान लाभान्वित हुए हैं। उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। जिससे अब दूसरे किसानों को धान बेचने का अवसर मिला है। उठाव हेतु 1,08,635.90 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है। अब तक उपार्जन केन्द्रों से 81,889.21 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है। सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के पश्चात् रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिससे बिचौलियों को अपनी धान खपाने का अवसर नहीं मिला है। जिले में अब तक धान बेच चुके 29503 लघु कृषकों ने 604.24 हेक्टेयर रकबा समर्पण कर चुके हैं। उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने के लिए पहुंचने वाले किसानों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किया गया है।

ललितपुर विद्यालय में 11वीं बार नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन,प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व में नेवता भोज का 11 वी बार आयोजन हुआ। सर्वप्रथम सरस्वती माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात उपस्थित समस्त अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। आज के कार्यक्रम में प्रधान पाठक गफ्फार खान द्वारा नववर्ष की खुशी के अवसर पर स्वेच्छा से पीएम पोषण योजना अंतर्गत नेवता भोज का आयोजन आंशिक रूप से कराया गया। नेवता भोज में बूंदी,बालूशाही,खस्ता, अमरूद, बिस्किट ,मिक्चर, वितरित किया गया । नेवता भोज का आनंद सभी बच्चों ने लिया, नेवता भोज देने के लिए ललितपुर के प्रधान पाठक गफ्फार खान को पालकों ने सहृदय से धन्यवाद दिया इस नेवता भोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान पाठक गफ्फार खान ने कहा कि नेवता भोज वास्तव में बच्चो की शरिरिक और मानसिक विकास के लिए सहायक सिद्ध हो रही है शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल ने कहा कि नेवता भोज हमारे विद्यालय में सामाजिक सहभागिता की अनूठी मिशाल के साथ साथ एक त्योहार का रूप लेते जा रही है। आज के कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नेहरूलाल,रामेश्वरी , महेत्तरीन,बुधियारीन,भगवती, सहायक शिक्षक प्रहलाद साहू,आंगनबाड़ी सहायिका गायत्री आदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी बद्रीविशाल जोल्हे,विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक अनिल सिंह साव , सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर, जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डिजेंद्र कुर्रे , जमदरहा संकुल के शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

धूमधाम से संपन्न हुई श्रीमद् भागवत महापुराण की कलश यात्रा, पदुमतरा में कथा का शुभारंभ

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पदुमतरा में आज श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन भव्यता और श्रद्धा के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर प्रसिद्ध राष्ट्रीय कथावाचक आचार्य रामानुज युवराज पांडेय जी की उपस्थिति में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिला।

कथा शुभारंभ से पूर्व भव्य कलश यात्रा- कथा के शुभारंभ से पूर्व ग्रामीणों ने एक भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भजन-कीर्तन करते हुए भाग लिया। कलश यात्रा में 500 से 1000 श्रद्धालु शामिल हुए, जो पूरे गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्रीराम मंदिर पहुंचे। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते नजर आए। बोल कालिया के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

कथा का शुभारंभ और गोकर्ण की कथा- कलश यात्रा के बाद श्रीराम मंदिर में विशाल पंडाल में पोथी पूजन और व्यास पूजा विधिविधान से संपन्न हुई। इसके बाद आचार्य पंडित श्री युवराज पांडेय ने श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का विधिवत शुभारंभ किया। पहले दिन उन्होंने गोकर्ण की प्रसिद्ध कथा सुनाई, जिसमें बताया कि किस तरह धुंधकारी अपने पापकर्मों के कारण प्रेत योनि को प्राप्त करता है और गोकर्ण महाराज किस प्रकार श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से उसे मुक्ति दिलाते हैं। कथा के दौरान श्रद्धालु भाव-विभोर होकर कथा का श्रवण करते रहे।

आचार्य जी का भव्य स्वागत- कथावाचक पंडित श्री युवराज पांडेय के आगमन पर उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया गया और आतिशबाजी की गई। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने आचार्य जी को साफा और माला पहनाकर उनका सम्मान किया।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना का प्रसार- इस आयोजन ने न केवल धार्मिक वातावरण को सुदृढ़ किया, बल्कि क्षेत्रवासियों में सांस्कृतिक चेतना भी उत्पन्न की। श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के इस आयोजन में पदुमतरा समेत आसपास के कई गांवों से श्रद्धालु पहुंचे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि और श्रद्धालु- कार्यक्रम में पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु बघेल, श्रीराम मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कविता साहू, जनपद सदस्य श्रीमती ललिता साहू, सरपंच श्रीमती हिना साहू, मोहन साहू, राकेश साहू, ललित चांदतारे समेत सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

समाप्ति के बाद भी भक्ति का उत्साह बना रहा- पूरे आयोजन में ग्रामवासियों का उत्साह और भक्ति देखने लायक था, जो इस धार्मिक आयोजन को सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध करने वाला साबित हो रहा है।

छोटे भाई पर कुल्हाड़ी से हमला, बेहोशी की हालत में पहुँचाया गया अस्पताल

बसना(समय दर्शन)। बसना थाना क्षेत्र के ग्राम बुटीपाली में बड़े भाई ने कुल्हाड़ी से छोटे भाई पर वार कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। बेहोशी की हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया। ग्राम बुटीपाली निवासी राजेश कुमार पटेल पिता रामदयाल पटेल उम्र 48 वर्ष ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि 30 दिसम्बर को सुबह करीब 11 बजे वह अपने खेत से काम करके मोटर सायकल से घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में राजेश का बड़ा भाई शत्रुधन पटेल अपने घर के सामने पुरानी लेन-देन की बात को लेकर अश्लील गालीयां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर अपने हाथ में रखे कुल्हाड़ी जैसे वस्तु से वार कर दिया, जिससे राजेश मोटर सायकल सहित नीचे गिर गया। राजेश के सिर, आंख के उपर एवं दाहिने भुजा के पास चोट लगने से वह बेहोश हो गया।

राजेश ने बताया कि जब उसे होश आया तो वह अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में भर्ती था. पुलिस ने मामले की शिकायत के बाद आरोपी शत्रुघर पटेल के खिलाफ धारा 115(2)-BNS, 296-BNS, 351(3)-BNS के तहत अपराध कायम किया है।

01 जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु विशेष शिविर लगाया जाएगा

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम चलाया जा रहा है। एसआईआर 2026 कार्यक्रम अनुसार गणना चरण के समाप्ति पश्चात दावा आपत्ति प्राप्त करने की अवधि 22 जनवरी 2026 तक निर्धारित है।

एसआईआर 2026 के तहत 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए पात्र मतदाताओं सहित 01 जनवरी 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु घोषणा पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप 6 में आवेदन प्राप्त किया जाना है।

दिनांक 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में 18 वर्ष आयु प्राप्त करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़े जाने हेतु घोषणा पत्र के साथ निर्धारित प्रारूप 6 में अग्रिम आवेदन भी प्राप्त किया जाना है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार लंगेह ने जिले के नोडल प्राचार्य एवं महाविद्यालयीन व विद्यालयीन समस्त प्राचार्यों को जागरूकता शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिले के सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों (महाविद्यालयों) में विशेष शिविर का आयोजन करने तथा शिविर के आयोजन में कैम्पस एम्बेसडर एवं प्राध्यापक नोडल अधिकारी (स्वीप) का सहयोग लेने कहा है।

इसी तर्ज पर जिले के सभी हायर सेकण्डरी स्कूलों में 17 वर्ष आयु प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं से अग्रिम आवेदन फार्म-6 प्राप्त करने हेतु विशेष शिविर का आयोजन करने के निर्देश दिए है। विद्यालयों, महाविद्यालयों में नुक्कड़ नाटक आदि स्वीप गतिविधियों माध्यम से मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण एवं मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने, नये मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुडवाने हेतु विभिन्न नवाचार के माध्यम से प्रेरित करने कहा है। विशेष शिविरों में संबंधित क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारियों, जिला प्रशासन की टीम की भी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा है।

कलेक्टर ने कहा है कि आयोग के निर्देशानुसार समस्त जिलों में वर्ष 2018 एवं 2019 में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) की स्थापना की गई थी। अत: पूर्व से गठित मतदाता साक्षरता क्लबों को पुन: एक्टिवेट करने अथवा आवश्यकतानुसार नए ईएलसी का गठन किया जाकर एसआईआर-2026 (दावा-आपत्ति) चरण के दौरान ईएलसी के माध्यम से मतदाता जागरूकता पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाए।

कलेक्टर श्री लंगेह ने उपरोक्तानुसार कार्यवाही दावा आपत्ति की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 के पूर्व संपादित कराने के निर्देश दिए है ताकि समयावधि में घोषणा पत्र के साथ प्राप्त फॉर्म-6 को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा निर्धारित समय में निराकरण किया सके , तथा पात्र मतदाताओं का नाम 21 फरवरी 2026 को प्रकाशित होने वाले मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में शामिल किया जा सके।

युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने हरीश सोनवानी

राजनांदगांव। जिला सतनामी सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सतनाम भवन स्थित मुख्य कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में रायशुमारी के बाद सर्वसम्मति से जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष गुलाब चंदेल को पदमुक्त करते हुए समाज-समर्पित हरीश कुमार सोनवानी को नया जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोनीत किया गया। श्री सोनवानी लंबे समय से समाजहित में सक्रिय हैं। वे युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक आयोजनों से जोड़ने और रचनात्मक गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उनके मनोनयन से समाजजनों एवं शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर वासुदेव जोशी, पार्थ गेंडरे, परस लहरे, गोलू सूर्यवंशी, बंटी महिलागे, मोहित जोशी, बंटी चंदेल, दिनेश बंजारे, दीपक जोशी, सुनील, मनीष, वासु, मिथिलेश, संतोष भारती, कपिल सूर्यवंशी, देवा बंधे, परमानंद, सचिन, रवि भारती, अजीत महिपाल, शुभम बंजारे, ओमप्रकाश बंजारे, हर्ष मारकंडे, उत्तम जांगड़े, अमरदास बंजारे, धीरज, आकाश नारंगे, अमरदास बंजारे सहित अन्य गणमान्य लोगों ने समाज के प्रति आभार जताते हुए नवनियुक्त अध्यक्ष को बधाई दी। प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष युवराज दास ढिरहेर के आदेशानुसार उपाध्यक्ष कमलेश्वर साडे, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा बंजारे एवं सचिव ऋषि राय खरे ने हरीश कुमार सोनवानी को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं और समाज के हित व उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। यह जानकारी जिला महामंत्री कमल कुमार लहरे ने दी।

कमला कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस पर क्विज, कार्यशाला व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 02 जनवरी 2026 को भारतीय ज्ञान प्रणाली में गणित, कला और रचनात्मकता थीम पर मैथेमैटिकल क्विज, कार्यशाला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का भव्य आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निर्मला उमरे उपस्थित रही, जिन्होंने अपने उद्बोधन में गणित शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गणित तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता एवं जीवन में सफलता का सशक्त आधार है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय के गणित विभागाध्यक्ष डॉ. केके देवांगन उपस्थित रहे, जिन्होंने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन, व्यक्तित्व एवं गणित में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के संयोजक एवं गणित विभागाध्यक्ष डॉ. ओंकारलाल श्रीवास्तव ने इंडियन नॉलेज सिस्टम तथा रामानुजन के आधुनिक गणित में योगदान को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को ऐसे-कैसे जैसे रोचक गणितीय खेलों के माध्यम से गणित के प्रति रुचि विकसित करने हेतु प्रेरित किया। आयोजन सचिव चंदन साहू ने कितने भाई कितने बहन एवं लुक एंड से जैसे रोचक उदाहरणों के माध्यम से गणित को सरल, रोचक एवं आनंददायक रुप में प्रस्तुत किया, जिससे छात्राओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मैथेमैटिकल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में किया गया, जिसमें प्रथम चरण में 130 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिखित परीक्षा में भाग लिया तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन कर टीम बनाकर द्वितीय चरण में महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में मौखिक फाइनल राउंड आयोजित किया गया, जिसमें कुल 300 से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। इंटर स्कूल स्तर की प्रतियोगिता में नीरज पब्लिक स्कूल की टीम कोविद, वैभव, लकी एवं मेहर ने प्रथम, रॉयल किड्स स्कूल की टीम शौर्यम, शुभोजीत, नितिन एवं दिव्या द्वितीय, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय की टीम रागिनी, गरिमा, भूमिका एवं लिखेश्वरी ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया व इंटर कॉलेज स्तर पर कमला कॉलेज बीएससी तृतीय वर्ष की टीम मिमांसा, यामिनी, प्रिंसी एवं संध्या ने प्रथम, शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय की टीम तनिष, वासुदेव, ग्रेश्मा, चांदनी ने द्वितीय तथा कमला कॉलेज (तृतीय सेमेस्टर) की टीम दिव्या, पायल, माहेक, भूमिका ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26